छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, बुधवार 30 सितंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-91 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

डेमोग्राफी कमेटी के धर्मवार आंकड़े पर ओवैसी का हमला, बोले- मुसलमानों को निशाना बनाने की तैयारी



नई दिल्ली।डेमोग्राफी कमेटी के धर्मवार डेटा मांगने पर असुद्दीन ओवैसी ने सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आंकड़ों का इस्तेमाल मुसलमानों के खिलाफ नैरेटिव बनाने और उनके अधिकार प्रभावित करने में हो सकता है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि जब उनकी पार्टी सरकार से मुसलमानों की तालीमी, सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़े जुटाने की मांग करती थी, तब सरकार इस मांग से बचती रही। अब उन्होंने दावा किया कि केंद्र की ओर से गठित डेमोग्राफी कमेटी राज्यों से धर्म के आधार पर कई तरह की जानकारी मांग रही है।ओवैसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में सवाल उठाते हुए कहा, 'कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज यह जानकारी मांग रही है ।

चुनाव प्रक्रिया पर धमासान, महाराष्ट्र CEO की चिट्ठी का हवाला देकर विपक्ष ने EC से मांगा जवाब



नई दिल्ली।देश में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोक्कलिंगम की चिट्ठी का हवाला देकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं. इस मुद्दे पर निशाना साधते हुए शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि जब विपक्ष और आम जनता चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियों और एफआईआर की बढ़ती संख्या को लेकर सवाल उठा रहे हैं, तो उनकी बातोलिखकर सॉफ्टवेयर में बदलाव की जरूरत बताई है।

4 साल बाद एंटीलिया विस्फोटक मामले में सचिन वाजे को बेल, क्या जेल से आ सकेंगे बाहर



नई दिल्ली। बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को एंटीलिया विस्फोटक मामले में जमानत मिल गई है। हालांकि, वो महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले अभी भी जेल में रहेंगे।एंटीलिया विस्फोटक मामले में बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को जमानत मिल गई है। वो 2021 में गिरफ्तार हुए थे। हालांकि, वाजे अभी जेल में ही रहेंगे क्योंकि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वे अभी भी हिरासत में हैं। इस मामले में मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक से भरी एक की हत्या के मामले में भी जमानत मिल गई है।

महिलाओं को घर में बंद करना समाधान नहीं, विमेंस सेफ्टी पर राहुल ने सरकार को घेरा



नई दिल्ली।राहुल गांधी ने महिलाओं को दूसरे के जुर्म के लिए दोषी ठहराने की प्रथा की कड़ी निंदा की। उन्होंने सड़कों को सुरक्षित बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि ये सरकार आपको अनसुना कर रही है।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर महिलाओं के समर्थन में पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, महिलाओं के खिलाफ हुए जुर्म के लिए उन्हें सजा देना बंद करो। हमारे पूरे देश में, महिलाएं सड़कों पर चलने से डरती हैं, परेशान होने से डरती हैं, रेप होने से डरती हैं और सरकार का जवाब है, घर पर रहो। यह पेट्रियार्की काम कर रही है, एक ऐसा सिस्टम जो विक्टिम को दोषी ठहराता है ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्योत्सव में दिखेगा वायुसेना का शौर्य

2 नवंबर को नवा रायपुर के आसमान में 'सारंग' के हेलीकॉप्टर दिखाएंगे हैरतअंगेज करतब

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्योत्सव को इस बार और भी यादगार बनाने की तैयारी की जा रही है। राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विकास और उपलब्धियों के उत्सव के साथ प्रदेशवासियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव भी बने, इसी कड़ी में 2 नवंबर 2026 को नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और अद्भुत कौशल का रोमांचकारी प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'सारंग' हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम छह हेलीकॉप्टरों के साथ रोमांचकारी एयरोबेटिक शो प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही वायुसेना के तीन अन्य हेलीकॉप्टर भी कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। वहीं भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'आकाशगंगा' पैराशूट डिस्प्ले टीम के सदस्य आसमान से पैराशूट जंप कर हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। इस भव्य आयोजन में भारतीय वायुसेना के 100 से अधिक अधिकारी एवं जवान शामिल होंगे।

कलेक्टर ने ली तैयारियों की बैठक

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज भारतीय वायुसेना एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता सिन्हा, भारतीय वायुसेना के अधिकारी तथा जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कार्यक्रम स्थल की तैयारियों के साथ सुरक्षा, यातायात,



पार्किंग, बैरिकेडिंग और साउंड सिस्टम सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

छह हेलीकॉप्टर एक साथ दिखाएंगे रोमांचक करतब

वायुसेना के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि 'सारंग' छह हेलीकॉप्टरों के साथ इस तरह का रोमांचकारी एयरोबेटिक प्रदर्शन करने वाली विश्व की इकलौती हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम है। सारंग के हेलीकॉप्टर बेहद सटीक तालमेल के साथ अलग-अलग फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में रोमांचकारी कलाबाजियां प्रस्तुत करेंगे।

भारतीय वायुसेना की सारंग टीम स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (रुद्र) 'ध्रुव' के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन करती है। 'सारंग' का अर्थ मोर है और टीम के हेलीकॉप्टरों की आकर्षक रंग-सज्जा भी मोर की थीम से प्रेरित है। सारंग टीम देश के साथ अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भी भारतीय वायुसेना के पायलटों की दक्षता, अनुशासन और उत्कृष्ट समन्वय के साथ भारत की स्वदेशी विमानन क्षमता का प्रदर्शन करती रही है।

आकाशगंगा' टीम आसमान से लगाएगी छलांग

वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में 'आकाशगंगा' पैराशूट डिस्प्ले टीम भी अपने रोमांचकारी करतब दिखाएगी। प्रशिक्षित पैराट्रूपर्स आसमान से छलांग लगाकर पैराशूट के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। सारंग के हेलीकॉप्टरों की कलाबाजी और आकाशगंगा टीम का पैराशूट प्रदर्शन राज्योत्सव के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होगा।

रायपुरवासी उत्सव की तरह करेंगे स्वागत—कलेक्टर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्योत्सव के अवसर पर भारतीय वायुसेना का यह भव्य प्रदर्शन छत्तीसगढ़वासियों के लिए विशेष आकर्षण होगा। इसकी मेजबानी रायपुर के लिए एक बार फिर गौरव का अवसर है। रायपुरवासी भारतीय वायुसेना के जवानों और इस शानदार आयोजन का उत्सव की तरह स्वागत करेंगे।

कलेक्टर ने बड़ी संख्या में नागरिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए ट्रैफिक एवं पार्किंग की पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्किंग स्थलों का व्यवस्थित निर्धारण करने तथा कार्यक्रम स्थल तक लोगों के सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को वन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए।

आतंकियों और मददगारों के इनपुट पर बड़ा एक्शन

जम्मू-कश्मीर के पुंछ-राजौरी में सेना का सर्च ऑपरेशन जारी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में सुरक्षा बलों ने 29 सितंबर को आतंकियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया। खुफिया इनपुट पर आधारित यह सर्च ऑपरेशन एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर चलाया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों ने 29 सितंबर को बड़ा अभियान शुरू किया। दोनों जिलों के अलग-अलग इलाकों में एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों और उनके मददगारों से जुड़े इनपुट मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बल संदिग्ध घरों, ठिकानों और जंगल से सटे इलाकों की तलाशी ले रहे हैं। हर संदिग्ध गतिविधि और संभावित ठिकाने को खंगाला जा रहा है।पुंछ और राजौरी का इलाका सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है।

25 आतंकियों को खोजने के लिए सर्च ऑपरेशन

पिछले हफ्ते भी जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल करीब 25 आतंकियों को ढूंढने के लिए बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। इनमें 4 स्थानीय और 21 पाकिस्तानी आतंकी बताए जा रहे थे। ये जम्मू इलाके के अलग-अलग जगहों पर सक्रिय हैं। सुरक्षा बल राजौरी, पुंछ से लेकर कठुआ तक के जंगलों में इनकी तलाश कर रहे हैं।जानकारी के मुताबिक, चार स्थानीय आतंकियों में से तीन पुराने हैं और हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हैं। इनमें किश्तवाड़ इलाके में सक्रिय जहांगीर सरूरी और उसका समूह शामिल है। एक और स्थानीय आतंकी कठुआ और उधमपुर के बीच के इलाके में सक्रिय है, जिसकी पहचान निक्कू के नाम से हुई है। जम्मू-कश्मीर में साल 2026 आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का साल रहा है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन चुनाव के नतीजों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक





एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (रुद्र) के चुनाव परिणाम पर रोक लगा दी है। आदेश के बाद मंगलवार को हुए मतदान के परिणाम सीलबंद लिफाफे में कैद हो गए हैं।राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के बहुचर्चित चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ब्रेक लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को आरसीए चुनाव के परिणाम घोषित करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि मंगलवार को हुए मतदान के परिणाम सीलबंद लिफाफे में ही रखे जाएंगे और राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा मामले के अंतिम निपटारे तक नतीजे घोषित नहीं किए जाएंगे।सुप्रीम कोर्ट ने तीन नए जिलों को जोड़े जाने, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अभाव और खेल नियमों के उल्लंघन को बेहद गंभीर माना है। दूसरी ओर, सवाई मानसिंह स्टेडियम में 38 में से 35 जिला संघों के मतदान के साथ वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो गई। चुनाव अधिकारी ए.के। पांडे ने स्पष्ट किया है कि कोर्ट के आदेशानुसार परिणाम रोक दिए गए हैं और मतपेटियों को कलेक्ट्रेट के स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर सुरक्षित रखवाया जा रहा है।

आरसीए चुनाव में मंगलवार सुबह से ही कानूनी और सियासी ड्रामा समानांतर चलता रहा। सवाई माधोपुर जिला संघ अध्यक्ष डीडी कुमावत और राजस्थान महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मेघा गौड़ की विशेष अनुमति याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी और अरुंधति काटजू ने पक्ष रखा। अदालत ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को आदेश की सूचना तुरंत आरसीए प्रशासक भास्कर ए। सावंत को देने के निर्देश दिए।3 सचिवों ने चुनाव का किया बहिष्कार

हिम्मत है तो बढ़ाओ गाड़ी, बस के सामने अकेले अड़ी 10वीं की छात्रा

, बीच रोड पर ड्राइवर की लगाई क्लास

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कर्नाटक के एक गांव में छोटी बच्ची ने अपने हक के लिए ऐसा विरोध प्रदर्शन किया, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। जब असलियत सामने आई तो लोग उसकी हिम्मत की तारीफ करने लगे। स्टॉप पर नहीं रोके जाने से नाराज बच्चीहयाती-मुंडार्गी से कोप्पल जाने वाली बस के सामने खड़ी हो गई।

बेंगलुरु -कर्नाटक के कोप्पल में 10वीं एक छात्रा ने बस ड्राइवर की अकेले बैंड बजा दी। उसने न सिर्फ बस को रुकवाया, बल्कि सामने आकर



चुनौती दी कि हिम्मत है तो गाड़ी चलाकर दिखाए। उसने गाड़ी नहीं रोकने लिए उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई।

पीछा कर बस को रुकवाया, फिर किया विरोध

घटना कोप्पल जिले के गांव बी.होसाहल्ली की है। हयाती-मुंडार्गी से कोप्पल शहर जाने वाली रोड पर कई स्टूडेंट स्कूल जाने के लिए चस्स्क्ष्ट की बस का इंतजार कर रहे थे। सरकारी बस आई मगर बस स्टॉप पर नहीं रुकी और आगे चली गई। बच्चों के एग्जाम चल रहे हैं ।

छत्तीसगढ़-इंद्रावती नदी में बाढ़ का 53 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से भारी बारिश हुई। इससे बस्तर की इंद्रावती नदी का जलस्तर 53 साल बाद 12.39 मीटर पहुंच गया। 9 जुलाई 1973 के 12.18 मीटर के पुराने रिकॉर्ड से 21ष्ठ ज्यादा है। जगदलपुर में बाढ़ के कारण कई निचले इलाके पानी में डूब गए हैं। ड्रोन तस्वीरों में इन इलाकों में पानी भरा दिखाई दे रहा है।पानी बढ़ने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

4 घंटे चली बैठक भाजपा की नई टीम को मिला टास्क

युवाओं और अलग-अलग वर्गों से संपर्क बढ़ाने पर जोर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नितिन नबीन की अध्यक्षता में बीजेपी के राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें उन्हें अपने क्षेत्र में सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बात सुनने का निर्देश दिया गया है।दिल्ली स्थित बीजेपी के मुख्यालय में मंगलवार को पार्टी के राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने





की। सूत्रों के मुताबिक, लगभग 4 घंटे तक चली इस बैठक में प्रभारी और सह-प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि वो अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बात सुनें।पर किसी स्तर पर कोई मतभेद है तो उसको दूर करें।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया एक्स पर बच्चों के साथ मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों से मुलाकात की, फिर मिसाइलमैन एपीजे अब्दुल कलाम की तरह जो कहा वह जीत लेगा सबका दिल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नेशनल इंटीग्रेशन टूर के तहत सिक्किम के गंगटोक और अरुणाचल प्रदेश के तवांग के ल्हो गोम्पा के छात्र समूहों को राष्ट्रपति भवन के दौरे के लिए एक साथ लाया गया। दौरे के दौरान छात्रों ने राष्ट्रपति से बातचीत की। इस बातचीत से छात्रों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सीधे सुनने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रोत्साहन पाने का मौका भी मिला।



नई दिल्ली- नेशनल इंटीग्रेशन टूर के तहत सिक्किम के गंगटोक और अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित ल्हो गोम्पा के छात्रों के समूहों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया एक्स पर बच्चों के साथ मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं। दो अलग-अलग जगहों से आए छात्र अपने राष्ट्रीय एकता दौरे के दौरान राष्ट्रपति भवन गए थे और उन्हें राष्ट्रपति से बातचीत करने का मौका मिला।

सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के छात्रों से राष्ट्रपति ने की मुलाकात

राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा गया-सिक्किम के गंगटोक और अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित ल्हो गोम्पा के छात्रों के समूहों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

न्यूज इन शॉर्ट

जिले के 9 ग्रामों में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना को मिलेगा बढ़ावा, तकनीकी सहयोगी संस्थाओं से 5 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

एमसीबी धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान (ष्ट्र-छ्वत्र) के अंतर्गत वन अधिकार अधिनियम, 2006 के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के पत्र के आधार पर जिले के 9 ग्राम सभाओं के लिए सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना के प्रस्तुतीकरण एवं क्रियान्वयन हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके तहत चयनित ग्रामों में तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए तकनीकी सहयोगी संस्था, सिविल सोसायटी संगठन अथवा स्थानीय संस्था के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। जिला प्रशासन के अनुसार चयनित संस्था द्वारा ग्राम सभाओं को वन अधिकार अधिनियम के तहत विभिन्न विभागीय परियोजनाओं के माध्यम से आजीविका संवर्धन, वन प्रबंधन में अभिसरण, सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत दावा निर्धारण, पारंपरिक सीमाओं का सीमांकन एवं मानचित्रण तथा सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों में तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

9 ग्रामों में शामिल किए गए वन क्षेत्र

सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना के लिए जिले के 9 ग्रामों का चयन किया गया है। इनमें खड़गवां विकासखंड के ग्राम पंचायत सिंघत के ग्राम सिंघत में खसरा क्रमांक 568-पी का 140.000 हेक्टेयर तथा ग्राम पंचायत रतनपुर के ग्राम रतनपुर में खसरा क्रमांक 634-पी का 147.932 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इसी प्रकार भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत नेरूवा के ग्राम नेरूवा में खसरा क्रमांक पी-12 का 207.038 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत कमर्जी के ग्राम कमर्जी में खसरा क्रमांक पी-172 का 195.990 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत मुर्कील के ग्राम मुर्कील में खसरा क्रमांक पी-174 का 203.254 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत कोटाडोल के ग्राम कोटाडोल में खसरा क्रमांक पी-15 का 120.000 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत रूसनी के ग्राम रूसनी में खसरा क्रमांक पी-37 का 270.000 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत बड़ेरा के ग्राम बड़ेरा में खसरा क्रमांक पी-123 का 286.933 हेक्टेयर तथा ग्राम पंचायत जनौरा के ग्राम जनौरा में खसरा क्रमांक पी-151 का 250.250 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इन चयनित ग्रामों में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर प्रबंधन की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

संस्था चयन के लिए निर्धारित किए गए हैं जरूरी मापदंड

तकनीकी सहयोगी संस्था, सिविल सोसायटी संगठन अथवा स्थानीय संस्था का चयन निर्धारित अनिवार्य मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। संस्था द्वारा ग्राम सभाओं को वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं के माध्यम से आजीविका संवर्धन एवं वन प्रबंधन में अभिसरण के माध्यम से सहयोग के लिए प्रयास किया गया होना आवश्यक है। आवेदक संस्था का सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860/राज्य सोसायटी पंजीकरण के तहत सोसायटी या सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में अथवा कंपनी अधिनियम 2013 के तहत गैर-लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत होना आवश्यक है। संस्था का गत वर्ष तक का वित्तीय ऑडिट पूर्ण होना चाहिए तथा संस्था नीति आयोग के दर्पण पोर्टल में पंजीकृत होना भी आवश्यक है। इसके साथ ही संस्था द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के किसी जिले अथवा विकासखंड में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के क्रियान्वयन में कम से कम 3 वर्षों से अलग-अलग ग्राम सभाओं को सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। इसमें मुख्य रूप से सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता प्रक्रिया के तहत दावा निर्धारण, पारंपरिक सीमाओं का सीमांकन एवं मानचित्रण तथा सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों में तकनीकी सहयोग शामिल है।

ग्रामसभा से लिखित अनुमोदन अनिवार्य

तकनीकी सहयोगी संस्था, सिविल सोसायटी संगठन अथवा स्थानीय संस्था के चयन के लिए संबंधित संस्था के नाम पर ग्राम सभा के प्रस्ताव के माध्यम से लिखित अनुमोदन प्राप्त होना आवश्यक है। यदि किसी ग्राम सभा में एक से अधिक संस्थाओं द्वारा सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन में सहयोग के लिए आवेदन किया जाता है, तो संबंधित ग्रामसभा में संस्थाओं की विषय विशेषज्ञता एवं अनुशांगिक कार्यकुशलता के आधार पर संस्था का चयन किया जाएगा।

प्रतापपुर जनपद में 16वें वित्त आयोग की कार्ययोजना पर घमासान, पांच जनपद सदस्यों ने कलेक्टर-सीईओ से की

सात दिन पहले नोटिस नहीं देने का आरोप, ?1.12 करोड़ की कार्ययोजना में असमान आवंटन पर भी उठाए सवाल

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

जनपद पंचायत प्रतापपुर में 16वें वित्त आयोग के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 की करीब ?1.12 करोड़ की कार्ययोजना को लेकर विवाद गहरा गया है। जनपद सदस्य राजू सिंह, राजकुमारी ध्रुवे, राजेश पोर्ते, विनोद नेताम और अनीता जायसवाल सहित प्रभावित सदस्यों ने कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ से सामूहिक शिकायत कर कार्ययोजना की प्रक्रिया और आवंटन की जांच की मांग की है।

शिकायत में सदस्यों ने 3 सितंबर 2026 को हुई कथित सामान्य सभा की बैठक की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि बैठक से सात दिन पहले नियमानुसार नोटिस तामील नहीं कराया गया। इसके बावजूद कार्ययोजना को बहुमत से पारित किए जाने की बात शिकायत में कही गई है। सदस्यों ने बैठक से संबंधित नोटिस, डिस्पैच रजिस्टर, एजेंडा, उपस्थिति पत्रक और कार्यवाही विवरण की जांच कराने की मांग की है।



कार्ययोजना पारित थी तो 6 सितंबर तक प्रस्ताव क्यों?

शिकायतकर्ताओं ने एक अहम सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि 3 सितंबर को कार्ययोजना पारित हो चुकी थी, तो 6 सितंबर तक विकास कार्यों के प्रस्ताव क्यों मंगाए गए? शिकायत के मुताबिक जनपद सदस्य अनीता जायसवाल ने 6 सितंबर को करीब 5 लाख रुपये के प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे, जबकि कार्ययोजना में उनके क्षेत्र से करीब 50 हजार रुपये के कार्य शामिल होने की बात कही गई है।

डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच की मांग

सदस्यों ने कार्ययोजना में बाद में किसी तरह के बदलाव अथवा बैक-डेटिंग की आशंका जताते हुए सुरक्षित रखने तथा स्वतंत्र साइबर फॉरेंसिक जांच कराने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

आवंटन में असमानता का भी आरोप

शिकायत में राशि के वितरण को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। सदस्यों का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में ?50 हजार से ?2 लाख, जबकि अन्य क्षेत्रों में ?10 से ?20 लाख तक के कार्य रखे गए हैं। उन्होंने 16वें वित्त आयोग के लागू वितरण नियमों, राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों तथा आबादी एवं क्षेत्रफल आधारित गणना के आधार पर आवंटन की जांच की मांग की है।

जांच पूरी होने तक भुगतान प्रक्रिया रोकने की मांग

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि जांच पूरी होने तक विवादित कार्ययोजना से संबंधित प्रशासकीय स्वीकृति तकनीकी स्वीकृति , वर्क ऑर्डर और भुगतान की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। साथ ही यदि जांच में बैक-डेटिंग, फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड अथवा किसी प्रकार की डिजिटल कूटरचना प्रमाणित होती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

जनपद सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई या विवादित कार्यों में भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ी तो वे छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट, बिलासपुर की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे। अब शिकायत के बाद प्रशासनिक जांच में बैठक की प्रक्रिया, राशि आवंटन और डिजिटल रिकॉर्ड से जुड़े तथ्यों की जांच किस स्तर तक होती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

शराब विवाद में नाबालिग बालक की हत्या, आरोपी 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार

बारसूर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश, न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल

एक सत बुलेटिन ➤ दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा के थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम हितामेटा राऊतपारा में शराब को लेकर हुए विवाद के दौरान एक नाबालिग बालक की हत्या के मामले में बारसूर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घटना के लगभग 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 27 सितंबर 2026 को ग्राम हितामेटा राऊतपारा निवासी नाबालिग बालक शाम करीब 6 बजे घर से गांव के पारा में घूमने निकला था। इसी दौरान रात करीब 8 बजे वह आरोपी बुधराम पोडियामी के घर पहुंचा। यहां शराब को लेकर दोनों के बीच विवाद एवं झगड़ा हुआ। विवाद के दौरान आरोपी ने आवेश में आकर लकड़ी के छिलका/खोटला से बालक के सिर पर वार कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मिलते ही थाना बारसूर पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए तथा परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की।

विवेचना के दौरान आरोपी बुधराम पोडियामी द्वारा शराब को लेकर विवाद के दौरान लकड़ी के छिलका/खोटला से बालक के सिर पर वार किए जाने की जानकारी सामने आई। आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त



लकड़ी का छिलका/खोटला बरामद कर महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में जब्त किया गया।

अपराध क्रमांक 17/2026 के तहत कार्रवाई

थाना बारसूर पुलिस ने प्रकरण में अपराध क्रमांक 17/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी बुधराम पोडियामी, पिता हिड़मा राम, उम्र 44 वर्ष, निवासी हितामेटा राऊतपारा को 28 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया। आरोपी को माननीय न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय के आदेशानुसार उसे न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रमोहन सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार खूटे एवं उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती आकांक्षा सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बारसूर के नेतृत्व में थाना बारसूर पुलिस द्वारा की गई।

पीडब्लूडी विभाग की अनदेखी और लापरवाही के चलते यात्री परेशान

डोंगरगांव से राजनांदगांव तक के दोनों मार्ग में राहगीरों राहत नहीं

एक सत बुलेटिन ➤ दंतेवाड़ा

डोंगरगांव से राजनांदगांव के बीच सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी के बीच अब डोंगरगांव-तुमड़ीबोड़ मार्ग की बदहाल स्थिति भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन के लिए लंबे समय से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, तुमड़ीबोड़ की ओर जाने वाले मार्ग की स्थिति भी लगातार खराब होने से इस परेशानी और बढ़ गई है।

डोंगरगांव से तुमड़ीबोड़ मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन दोपहिया, चारपहिया सहित अन्य वाहनों की आवाजाही होती है। सड़क के कई हिस्सों में गड्ढे बन गए हैं तथा कुछ स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत भी उखड़ गई है। ऐसे में वाहन चालकों को गड्ढों से बचते हुए आवागमन करना पड़ रहा है।

बारिश के बाद स्थिति और चुनौतीपूर्ण

बारिश के दौरान सड़क के गड्ढों में पानी जमा हो जाने से वाहन चालकों के लिए परेशानी और बढ़ जाती है। पानी भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने से दोपहिया वाहन चालक सड़क दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं गंभीर रूप से चोटिल हो रहे हैं। रात के समय पर्याप्त दृश्यता नहीं होने पर समस्या और गंभीर हो जाती है।

मुख्य मार्ग का निर्माण पूरा होने का इंतजार-

डोंगरगांव-राजनांदगांव मार्ग का निर्माण क्षेत्र के लोगों के लिए लंबे समय से महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। मुख्य मार्ग का निर्माण पूरा होने से डोंगरगांव और राजनांदगांव के बीच आवागमन को सुविधा मिलने की उम्मीद है। लेकिन निर्माण में लगातार देरी के कारण लोगों को मौजूदा मार्गों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

इधर, संपर्क मार्ग की खराब स्थिति को लेकर भी नागरिकों में चिंता है। लोगों का कहना है कि जब तक मुख्य मार्ग का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक वैकल्पिक और संपर्क मार्गों को कम से कम आवागमन योग्य स्थिति में रखना जरूरी है। इस मामले में संबंधित विभाग की अनदेखी और लापरवाही के चलते राहगीरों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गड्ढों के कारण वाहनों की रफ्तार प्रभावित-

सड़क पर गड्ढों और खराब हिस्सों के कारण वाहन चालकों को बार-बार गति कम करनी पड़ती है। कई जगह सामने से वाहन आने पर सड़क के सुरक्षित हिस्से से निकलने में भी परेशानी होती है। इससे आवागमन का समय बढ़ने के साथ वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका भी बनी रहती है।

विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों, बुजुर्गों और रोजाना इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों के लिए सड़क की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। नागरिकों का कहना है कि सड़क की मरम्मत नहीं होने पर आने वाले समय में समस्या और बढ़ सकती है। डोंगरगांव-तुमड़ीबोड़ मार्ग का निरीक्षण कर गड्ढों को भरने तथा आवश्यक स्थानों पर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की जा रही है। साथ ही डोंगरगांव-राजनांदगांव मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य में तेजी लाकर उसे जल्द पूरा करने की मांग भी उठ रही है।

नागरिकों का कहना है कि मुख्य मार्ग के निर्माण में देरी और संपर्क मार्ग की बदहाली दोनों समस्याओं का असर सीधे आम लोगों के दैनिक आवागमन पर पड़ रहा है। ऐसे में संबंधित विभाग को प्राथमिकता के आधार पर दोनों मार्गों की स्थिति का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

अब लोगों की नजर इस बात पर है कि डोंगरगांव-राजनांदगांव मुख्य मार्ग का निर्माण कब तक पूरा होता है और तब तक डोंगरगांव-तुमड़ीबोड़ मार्ग को आवागमन योग्य बनाने के लिए कब ठोस कदम उठाए जाते हैं।

नगरीय निकाय कर्मचारियों की 18 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर में ज्ञापन

महेंद्र शुक्ला ➤ रायपुर

नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ (छत्तीसगढ़) ने प्रदेशव्यापी अभियान चलाते हुए 33 जिलों के कलेक्टरों एवं पांचों संभागों के संयुक्त संचालकों के माध्यम से शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

संघ ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के उपमुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव एवं संभागीय संयुक्त संचालकों के नाम 18 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की।संघ की प्रमुख मांगों में नियमित कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करना, नवीन सेटअप लागू कर पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराना, पदोन्नति से पहले सीधी भर्ती पर नियंत्रण, पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण तथा राज्य नगरीय प्रशासन सेवा कैडर का गठन शामिल है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने कहा कि नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी शासन की विभिन्न नगरीय सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी सेवा संबंधी समस्याओं और लंबित मांगों का समयबद्ध निराकरण आवश्यक है।

न्योता भोज, अन्नदान, स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता और पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता से दिया सुपोषण का संदेश

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में गूंजी पोषण और जनजागरूकता की बात

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम चैनपुर के ग्राम पंचायत भवन में पोषण माह 2026 के तहत 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्योता भोज सहित विभिन्न जन जागरूकता एवं पोषण आधारित गतिविधियां आयोजित कर महिलाओं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में चैनपुर सरपंच मीना कुमारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनेंद्रगढ़ शशि जायसवाल, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक आरती टोप्पो, उपसरपंच मदन सिंह तथा पंच अकरम, कोमल प्रसाद, राजकुमारी, हीराकली एवं बबली उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन परियोजना मनेंद्रगढ़ ग्रामीण की पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने किया। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन



सेवा कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा दीदियों के योगदान को सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही पोषण माह के दौरान हितग्राहियों से संवाद कर बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जा रही हैं।

परियोजना अधिकारी शशि जायसवाल ने महिलाओं से संवाद करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अन्य शुभ अवसरों पर नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र में 'न्योता भोज' का आयोजन कर बच्चों के साथ खुशियां साझा की जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि कुपोषित बच्चों के उपचार एवं पोषण सुधार के लिए चिरमिरी में विशेष कैंप आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पात्र कुपोषित बच्चों का शासन द्वारा निःशुल्क उपचार किया जाएगा। न्योता भोज और अन्नदान



से दिया सुपोषण का संदेश ग्राम पंचायत भवन परिसर में आयोजित न्योता भोज के अंतर्गत 25 बच्चों को भोजन कराया गया, जबकि 'अन्न दान महादान' पहल के तहत 20 गर्भवती महिलाओं को भोजन कराया गया। इस दौरान स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता के अंतर्गत चयनित बच्चों के पालकों को 5 सुपोषण टोकरी प्रदान की गईं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों से संवाद कर 10 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

न्यूज इन शॉर्ट

दुर्गम अबूझमाड़ के गांवों तक पहुंचीं शासकीय सेवाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी शासकीय सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में नारायणपुर जिला प्रशासन का सेवा संकल्प अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। जिले के अत्यंत दूरस्थ एवं भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र अबूझमाड़ में श्सेवा सेतुश् शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 25 सितंबर को ग्राम पंचायत कुतुल में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों ने भारी उत्साह दिखाते हुए अपनी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न दस्तावेजी सेवाओं का लाभ उठाया। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को आधार कार्ड बनवाने, उसमें आवश्यक संशोधन कराने, आधार कार्ड प्राप्त करने तथा जन्म प्रमाण पत्र तैयार कराने जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान कुल 27 लोगों के नए आधार कार्ड बनाए गए, 15 लोगों के आधार कार्ड में आवश्यक अपडेट किए गए, 112 ग्रामीणों को तैयार आधार कार्ड वितरित किए गए और 155 नवजात व बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए।

अबूझमाड़ का क्षेत्र अत्यंत दुर्गम और दूरस्थ होने के कारण यहां के निवासियों के लिए शासकीय कार्यालयों तक पहुंचना हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है। लंबी दूरी, आवागमन के सीमित साधन और समय की कमी के कारण कई ग्रामीण अपने आवश्यक दस्तावेज नहीं बनवा पाते थे। सेवा सेतु शिविरों के जरिए गांव के पास ही ये सुविधाएं मिलने से ग्रामीणों को दूरस्थ कार्यालयों के चक्कर लगाने, आवागमन में लगने वाले समय और आर्थिक व्यय से बड़ी राहत मिली है।

जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद कोई भी पात्र नागरिक बुनियादी दस्तावेजों और शासकीय सेवाओं के लाभ से वंचित न रहे। इन शिविरों के माध्यम से न केवल दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं, बल्कि ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर मिल रही इन सुविधाओं से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हुआ है, जिससे लोगों में शासन के प्रति विश्वास और गहरा हो रहा है। आने वाले समय में भी अबूझमाड़ के अन्य दूरस्थ अंचलों तक आवश्यक शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

सेवा संकल्प अभियान नारायणपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन का शुभारंभ

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नारायणपुर जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। जिले के विभिन्न सेक्टरों एवं परियोजनाओं-अमगांव, बेलगांव, ओरछा, कोहकामेटा, बेनुर और छोटेडोंगर सहित दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को नगर पालिका क्षेत्र के बांग्लापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और नागरिकों ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया। केंद्रों में आकर्षक सजावट के साथ-साथ रंगोली के माध्यम से बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व को खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने बच्चों से परिचय लिया, उनसे बातचीत की और उनके रुचियों व गतिविधियों के बारे में जाना। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण आहार वितरण का स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र और सर्वांगीण विकास का सशक्त केंद्र हैं।आंगन मिलन' के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और 6 माह पूर्ण कर चुके शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानियों, नियमित जांच और संतुलित आहार के बारे में जागरूक किया गया, वहीं अन्नप्राशन के जरिए शिशुओं के लिए समय पर पूरक पोषण आहार की शुरुआत के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा पोषण और स्वास्थ्य का संदेश





एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

सेवा संकल्प अभियान में आंगन मिलन से गूंजा पोषण और स्वास्थ्य का संदेश ग्राम बसंतपुर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन का हुआ आयोजन गर्भवती और शिशु वती माता सहित बच्चों और ग्रामीणों ने लिया नेवता भोज एवं श्रीफल भेंट किया गया। सेवा संकल्प अभियान देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस को पूरे देश में मनाया गया है इसी उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत बसंतपुर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में आज आंगन मिलन सेवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन उत्साह पूर्ण वातावरण में किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता ग्राम के वरिष्ठ जन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों गर्भवती एवं शिशुवती माताओ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन आंगन मिलन कार्यक्रम में अपना सहभागिता और योगदान दिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सरकार की विभागीय योजनाओं के मुख्य धारा से जोड़ने एवं स्वास्थ्य पोषण एवं जन भागीदारी के प्रति सजग व जागरूक करना है कार्यक्रम की शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों को श्रीफल भेंट कर किया गया। आंगन मिलन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री समीर पैकरा जिला पंचायत अध्यक्ष गौरेला पेंड्रा मरवाही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति श्रीमती पूर्णिमा पैकरा जी महिला प्रकोष्ठ की कार्यकर्ता तीजन बाई पैकरा जी भाजपा वरिष्ठ नेता श्री संजू वासुदेव जी व ग्राम पंचायत के माता बहनों की विशिष्ट उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सेवा संकल्प अभियान के इस आंगन मिलन कार्यक्रम में सभी माता बहनों को ग्रामीणों को जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीर पैकरा द्वारा संबोधित करते हुए गर्भवती और शिशुवती महिलाओं को संबोधित करते हुए कुछ विचार रखा गया। आंगनबाड़ी केंद्र हमारे नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए पौष्टिक आहार स्वास्थ्य देखभाल एवं प्रारंभिक शिक्षा की मजबूती नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम है बच्चों के स्वस्थ शिक्षित एवं संस्कारवान भविष्य के निर्माण की दिशा में ऐसे आयोजन अत्यंत सराहनी है।

शिक्षिका नीलिमा साहू ने अपने जन्मदिवस पर पौधारोपण कर दिया न्यौता भोज









बच्चों में खुशी की लहर, विद्यालय परिवार ने दी शुभकामनाएँ

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

शिक्षिका नीलिमा साहू ने अपने जन्मदिवस पर प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना के अंतर्गत अपने शासकीय प्राथमिक शाला सिंघीचुआ में न्योता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया. हर्ष और उल्लास का वातावरण बन गया, जब विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती नीलिमा साहू ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चों और शिक्षकों को न्यौता भोज दिया। इस अवसर पर बच्चों को सामान्य मध्यान्ह भोजन के साथ-साथ केला, समोसा, क्रीम ब्रेड और मीठा लड्डू एवं जलेबी परोसा गया, जिससे सभी विद्यार्थियों के चेहरों पर प्रसन्नता झलक उठी।

शिक्षिका ने अपने जन्मदिवस पर दिया न्यौता भोज

कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना के अंतर्गत किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण प्रदान करने का भी उद्देश्य रहा। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के शासकीय प्राथमिक शाला सिंघीचूवा के विद्यालय परिवार ने इस प्रेरणादायी पहल की सराहना की। शिक्षक शिव देवांगन ने शिक्षिका नीलिमा साहू को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि, ÷इस प्रकार का मानवीय और स्नेहपूर्ण प्रयास न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है, बल्कि शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संबंध को भी सुदृढ़ करता है।÷ बच्चों ने भी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन उनके लिए बहुत खास रहा। सभी ने शिक्षिका के प्रति आभार जताते हुए उन्हें दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएँ और छात्र-छात्राएं इस आयोजन में सम्मिलित हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया। वहीं शिक्षिका को बधाई देने वाले से नि प्रधान पाठक एफ आर साहू , निर्मला साहू, प्रधान पाठक शशिकिरण प्रेमी , संकुल समन्वयक शिव कुमार देवांगन,शाला प्रबंधन समिति सदस्य बुद्धेश्वर पटेल , पत्रकार रामदुलार साहू , शिक्षक संजीव राजेत्री, शिक्षिका सावित्री साहू, रेखा देवांगन, शिक्षिका त्रिपदा साहू , शिक्षक रजनीकांत साहू , विनीता साहू , रवींद्र साहू , पत्रकार के. पी. पटेल, धनेश्वरी पटेल , दुर्गेश साहू , रीता देवांगन, रमेश पटेल आदि ने बधाई दी।

राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना बनी कुलेश्वरी का

पति के निधन के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार को मिली 20 हजार रुपए की

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जरूरतमंद एवं संकटग्रस्त परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के ग्राम बोरई निवासी श्रीमती कुलेश्वरी साहू को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का लाभ मिला है। योजना के तहत मिली 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता कठिन समय में उनके परिवार के लिए सहारा बनी है।

श्रीमती कुलेश्वरी साहू ने बताया कि उनके पति स्वर्गीय श्री देवसिंह साहू का 18 जुलाई 2025 को आकस्मिक निधन हो गया था। परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य के



अचानक चले जाने से परिवार के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

इस कठिन समय में ग्राम पंचायत बोरई द्वारा श्रीमती साहू को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत सचिव ने बीपीएल सर्वे सूची वर्ष 2002-03 का अवलोकन किया, जिसमें परिवार का नाम दर्ज होने की पुष्टि हुई। इसके बाद योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक आवेदन एवं अन्य औपचारिकताएं पूरी कराई गईं।

प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद श्रीमती कुलेश्वरी साहू को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से परिवार को विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक संबल मिला। श्रीमती कुलेश्वरी साहू ने जरूरत के समय योजना का लाभ मिलने पर ग्राम पंचायत बोरई एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सितंबर माह का खाद्यान्न वितरण अब 15 अक्टूबर तक

रायपुर। राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत माह सितंबर एवं अक्टूबर 2026 के लिए खाद्यान्न का आबंटन जारी कर दिया गया है। माह सितंबर का खाद्यान्न राज्य की उचित मूल्य दुकानों में भंडारित किया जा चुका है तथा राशनकार्डधारियों को खाद्यान्न वितरण की कार्यवाही सभी जिलों में जारी है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 सितंबर 2026 तक राज्य के 71 लाख राशनकार्डधारियों को माह सितंबर का 90 प्रतिशत चावल वितरित किया जा चुका है। शेष राशनकार्डधारियों को भी उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरण का कार्य निरंतर जारी है।

माह सितंबर में वर्षा एवं अन्य कारणों से 30 सितंबर तक खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने की स्थिति को देखते हुए राज्य शासन द्वारा राशनकार्डधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सितंबर 2026 के खाद्यान्न वितरण की अवधि 15 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाई गई है।

1.08 लाख की सब्सिडी, केंद्र के 78 हजार और राज्य के 30 हजार रुपए से आसान हुआ सोलर पैनल लगाना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कभी हर महीने आने वाला बिजली का बिल परिवार के घरेलू बजट का एक हिस्सा तय करता था। बिजली की जरूरतें बढ़ने के साथ खर्च भी बढ़ता था। ऐसे में यदि घर की छत ही बिजली उत्पादन का माध्यम बन जाए और हर महीने आने वाला बिजली बिल लगभग शून्य हो जाए, तो यह किसी राहत से कम नहीं है। मनेन्द्रगढ़ निवासी राजेश कुमार राय के लिए यह बदलाव प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से संभव हुआ है। आज उनके घर की छत पर लगा सोलर पैनल न केवल बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद कर रहा है, बल्कि परिवार को बिजली खर्च में भी बड़ी राहत दे रहा है।

योजना का लाभ लेकर घर की छत को बनाया ऊर्जा का स्रोत

राजेश कुमार राय ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग 1 लाख 99 हजार रुपये की लागत आई। योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये, इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। सब्सिडी मिलने से सोलर पैनल स्थापित करने का आर्थिक भार काफी कम हुआ और उनके लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना आसान हो गया।

सोलर पैनल लगा तो बिजली बिल में आई बड़ी राहत

राजेश कुमार राय बताते हैं कि सोलर पैनल लगने के बाद उनके बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले उन्हें नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उनका बिजली बिल लगभग शून्य आ रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला–गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही (छ.ग.)

दूरभाष क्र.– 07751 220658 Email – actwd.gpm@gmail.com

क्रमांक / 1982 /निर्माण/2026–27 गौरेला पेण्ड्रा मरवाही दिनांक 18/09/2026

//ई–निविदा आमंत्रण सूचना//

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से उक्त कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत **"द" श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी** के ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग के 10.06.2026 से प्रचलित एस.ओ. आर. दर एवं अद्यतन संशोधन सहित ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

01. ई–निविदा प्रारम्भ तिथि – 28.09.2026
02. निविदा की अंतिम तिथि – 21.10.2026 (सायंकाल 5:30 बजे तक)
03. निविदा खोलने की तिथि – 23.10.2026 (प्रातः 11:00 बजे)

क्र	कार्य का नाम	विकास खण्ड	निविदा राशि लाख में	अमानत राशि रूपये में	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	निविदा आमंत्रण
1	आदिवासी बालक आश्रम करगरा में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	प्रथम
2	आदिवासी कन्या आश्रम गिरवर में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	––"––
3	आदिवासी बालक आश्रम देवरगांव में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	––"––
4	विशेष पिछड़ी जनजाति कन्या छात्रावास धनौली में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	––"––
5	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास लालपुर में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	––"––
6	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास निमधा में शौचालय निर्माण	मरवाही	19.42	19500.00	04 माह	––"––
7	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास उषाढ में शौचालय निर्माण	मरवाही	19.42	19500.00	04 माह	––"––

नोटः–
1. ठेकेदार का श्रेणी "डी" क्लास या उससे ऊपर।

टीप :–निविदा की शर्ते व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

262703622/2

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
जिला गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही छ0ग0

केंद्र सरकार देगी विशेष तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन

स्वच्छता की राष्ट्रीय पहल प्रगति-50 में रायपुर और बिलासपुर शामिल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी प्रगति-50ोजना में छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर को शामिल किया गया है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजना का शुभारंभ किया। देश के चुनिंदा 50 शहरों में राज्य के दो शहरों के शामिल होने से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास एवं स्वच्छता प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।

शुभारंभ कार्यक्रम में चयनित राज्यों के नगरीय विकास विभागों, शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने



सहभागिता की। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू नई दिल्ली से कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव राजनांदगांव से कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े।मुख्यमंत्री श्री साय और उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रगति-50 में शामिल होने पर रायपुर और बिलासपुर नगर निगमों, दोनों शहरों के स्वच्छता मित्रों तथा शहरवासियों को बधाई दी है। रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा दोनों नगर निगमों के आयुक्त भी कार्यक्रम में ऑनलाइन सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री द्वारा प्रगति की बैठक में दिए गए निर्देशों पर शुरू हुई पहल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 51वीं प्रगति बैठक के निर्देशों पर शुरू की गई यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत चयनित शहरों में स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को तेज गति से सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। योजना में देश के 50 शहरों को शामिल किया गया है। इन शहरों को केंद्र सरकार की ओर से विशेष तकनीकी सहयोग, सतत मार्गदर्शन और गहन निगरानी मिलेगी। लिए भी सहयोग दिया जाएगा।

न्यूज इन शॉर्ट



जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

एमसीबी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं और मांगें सुनीं। इस दौरान आवास, भूमि, पेंशन, वनाधिकार पट्टा, आंगनबाड़ी केंद्र, बीमा क्लेम और मजदूरी भुगतान सहित विभिन्न मामलों के आवेदन सामने आए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में नागपुर निवासी धरमसाय को शासकीय भूमि का पट्टा दिए जाने के लिए आवेदन किया। वहीं नागपुर निवासी धरसाय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास की वर्ष 2025 की सूची में नाम आने के बावजूद अब तक आवास निर्माण के लिए राशि नहीं मिली है। नागपुर की संध्या देवी ने विधवा पेंशन शुरू कराने की मांग रखी। गिरवानी निवासी आनंद प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता की शिकायत कर जांच की मांग की। बरहोरी की मीना देवी ने भूमि संबंधी प्रकरण को लेकर आवेदन सौंपा। कछौड़ निवासी विजेन्द्र सिंह मसराम ने सोको बहरा में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग रखी। चरवाही निवासी गुलाब ने वनाधिकार पट्टे में खसरा नंबर सुधारने के लिए आवेदन किया, जबकि दृगपाल सिंह ने फर्जी पट्टा वितरण की शिकायत करते हुए जांच की मांग की। ग्राम कोड़ा के हितग्राहियों ने आवास प्लस सूची में दर्ज दावा-आपत्तियों का 15 दिन के भीतर निराकरण नहीं होने की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। जनदर्शन में योगिता चावड़ा ने लंबित बिल के भुगतान, उमरवाह के मजदूरों ने चेकडेम निर्माण कार्य की लंबित मजदूरी के भुगतान की मांग रखी। रामवती ने सीपीएस राशि के भुगतान के लिए आवेदन दिया। मनेन्द्रगढ़ निवासी गूडिया केवट ने समूह को कार्य की आवश्यकता की जानकारी प्रेषित किए जाने के संबंध में अपनी समस्या रखी।

लंबित प्रकरणों में अनावश्यक देरी न हो- कलेक्टर

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने प्रत्येक आवेदक की समस्या सुनने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में मिले आवेदनों का प्राथमिकता से परीक्षण किया जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने लंबित मामलों के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं करने और आमजन से जुड़े प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए।



राज्योत्सव स्थल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में की चर्चा

रायपुर, नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर मेला ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव श्री विकासशील के निर्देश पर पर्यटन एवं संस्कृति सचिव डॉ एस भारतीदासन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान सीएसआईडीसी के एमडी श्री विश्वेश झा, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, पर्यटन मंडल के एमडी श्री सौमिल रंजन चौबे, एस पी ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, एडीएम श्री उमाशंकर बंदे, एनआरडीए के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छत पर सौर पैनल, बिजली बिल में बड़ी राहत-सेवा संकल्प अभियान में सामने आई राजेश कुमार राय की आत्मनिर्भरता की कहानी

राजेश कुमार राय को मिली 1.08 लाख की सब्सिडी, केंद्र के 78 हजार और राज्य के 30 हजार रुपए से आसान हुआ सोलर पैनल लगाना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कभी हर महीने आने वाला बिजली का बिल परिवार के घरेलू बजट का एक हिस्सा तय करता था। बिजली की जरूरतें बढ़ने के साथ खर्च भी बढ़ता था। ऐसे में यदि घर की छत ही बिजली उत्पादन का माध्यम बन जाए और हर महीने आने वाला बिजली बिल लगभग शून्य हो जाए, तो यह किसी राहत से कम नहीं है। मनेन्द्रगढ़ निवासी राजेश कुमार राय के लिए यह बदलाव प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से संभव हुआ है। आज उनके घर की छत पर लगा सोलर पैनल न केवल बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद कर रहा है, बल्कि परिवार को बिजली खर्च में भी बड़ी राहत दे रहा है।

योजना का लाभ लेकर घर की छत



को बनाया ऊर्जा का स्रोत

राजेश कुमार राय ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग 1 लाख 99 हजार रुपये की लागत आई। योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये, इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। सब्सिडी मिलने से सोलर पैनल स्थापित करने का आर्थिक भार काफी कम हुआ और उनके लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना आसान हो गया।

सोलर पैनल लगा तो बिजली बिल में आई बड़ी राहत

राजेश कुमार राय बताते हैं कि सोलर पैनल लगने के बाद उनके बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले उन्हें नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उनका बिजली बिल लगभग शून्य आ रहा है। इससे परिवार के मासिक खर्च में बचत हो रही है और बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा अपनाने का लाभ केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का अवसर भी मिला है। योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी ने उनके जैसे परिवारों के लिए सौर ऊर्जा को अपनाना अधिक सुलभ बनाया है।

'योजना ने बदली सोच, अब बिजली खर्च की चिंता कम'

राजेश कुमार राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से उनके परिवार को बिजली खर्च में राहत मिली है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ मिलने से सौर ऊर्जा के प्रति उनकी सोच बदली है और अब घर की छत पर लगा सोलर पैनल उनके लिए ऊर्जा और बचत, दोनों का माध्यम बन गया है।

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभव और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जा रहा है। राजेश कुमार राय की कहानी इसी बदलाव की एक प्रेरक मिसाल है, जहां सरकारी सहायता, सौर ऊर्जा और जागरूकता के मेल से घर की छत ऊर्जा के स्रोत में बदल गई और बिजली बिल का बोझ लगभग समाप्त हो गया।

समय सीमा की बैठक हुई संपन्नः सुशासन की दिशा में प्रशासन की सक्रिय पहल, कलेक्टर ने विभागों की प्रगति और लंबित मामलों की ली जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले में संचालित विभिन्न विभागीय कार्यों, लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक लंबित आवेदन का नियमानुसार निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि आवेदक को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण, दस्तावेजों की जांच अथवा तकनीकी परीक्षण आवश्यक है, उनमें बिना विलंब कार्रवाई पूरी कर संबंधित आवेदक को निराकरण की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार , श्रीमती नम्रता डोंगरे, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, नेहा खलखो सहित समस्त एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनदर्शन और जनशिकायतों के मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मुख्यमंत्री जनदर्शन के लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। जिला खाद्य अधिकारी, जिला पंचायत, एसडीएम भरतपुर, वरिष्ठ लिपिक शाखा, एसडीएम केल्हारी, श्रम विभाग तथा एसडीएम चिरमिरी से संबंधित लंबित मामलों की विशेष रूप से समीक्षा की गई।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण किया जाए, आवश्यक दस्तावेज एवं जांच प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए तथा निराकरण के बाद कार्रवाई विवरण एवं संबंधित दस्तावेज पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रकरण के निराकरण के बाद संबंधित आवेदक को इसकी जानकारी देना भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत की स्थिति जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

बैठक में कलेक्टर ने राजस्व, वन अधिकार, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युत, खनिज, कृषि, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, नगरीय निकाय, पुलिस, भू-अर्जन एवं लोक निर्माण विभाग से जुड़े मामलों की समीक्षा की। शासकीय एवं वन भूमि का पट्टा, वन अधिकार पट्टा,



सीमांकन, भूमि विवाद, मुआवजा, आवास सूची में नाम जोड़ने, निर्माण कार्यों के भुगतान, आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत, विद्युत समस्याओं तथा अवैध खनन से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों से कार्रवाई की जानकारी ली।

पीएम पोर्टल, ई-समाधान और विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर कड़ी निगरानी

कलेक्टर ने पीएम पोर्टल एवं ई-समाधान में लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए नेशनल हाईवे-43 पर अवैध निर्माण, चिरमिरी क्षेत्र के आवासीय मकान, सड़क निर्माण, पंचायत स्तर पर मनमानी, स्थायी विद्युत कनेक्शन में देरी, वन विभाग से संबंधित शिकायत, ट्रक मालिकों की समस्याओं एवं न्यूनतम भाड़ा दर सहित विभिन्न प्रकरणों की जानकारी ली।

इसके साथ ही वेब, पोस्ट एवं ई-मेल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जनशिकायतों की भी समीक्षा की गई। आदिम जाति विकास, राजस्व, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन, परिवहन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, महिला एवं बाल विकास, खाद्य एवं पंचायत विभाग से जुड़े मामलों में अधिकारियों से प्रकरणवार कार्रवाई की जानकारी ली गई। इनमें छात्रावास एवं आश्रम से संबंधित जांच अभिलेख, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का वेतन, कॉलेज भवन रखरखाव, नल-जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति, नगर पंचायत क्षेत्रों में जल संकट, न्यायालय परिसर में जल निकासी, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, परिवहन वाहनों का भौतिक सत्यापन, राजस्व भूमि विवाद, आदिवासी भूमि हस्तांतरण, स्वास्थ्य सेवाएं, मोबाइल मेडिकल यूनिट, विद्यालयों में वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितता, सड़क एवं नेटवर्क से संबंधित समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिकायतों के निराकरण में केवल पत्राचार करने के बजाय आवश्यकतानुसार मौके पर जाकर स्थिति का सत्यापन किया जाए।

दिल्ली के 43 इंफ्लुएंसर्स ने नेतानार में देखी शांति, आत्मनिर्भरता और विकास की तस्वीर

संवाददाता ➤ रायपुर

कभी नक्सल हिंसा और भय की खबरों के कारण देश के सामने एक अलग पहचान रखने वाला बस्तर अब बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। इस बदलाव को करीब से देखने और समझने के लिए दिल्ली से आए 43 इंफ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने बस्तर का भ्रमण किया। उनके कैमरों ने इस बार बस्तर के जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ उस सामाजिक बदलाव को भी दर्ज किया, जहां शांति के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।बस्तर भ्रमण के दौरान दिल्ली से आए इंफ्लुएंसर्स नेतानार स्थित शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियों को करीब से देखा। प्रशिक्षण केंद्र में चलती सिलाई मशीनों की आवाज उनके लिए बदलते बस्तर की एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें संघर्ष की जगह हुनर, भय की जगह भरोसा और निर्भरता की जगह आत्मनिर्भरता दिखाई दे रही थी।नेतानार में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई सहित विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उद्देश्य है कि स्थानीय महिलाएं अपने हुनर को रोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनें और परिवार की आय में योगदान दे सकें। इंफ्लुएंसर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने महिलाओं के अनुभव, प्रशिक्षण से मिले अवसर और स्वरोजगार से जुड़ने के बाद आए बदलावों को जाना। कई महिलाओं के लिए हुनर सीखना केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन महिलाओं की कहानी में बस्तर के बदलते सामाजिक परिवेश की झलक भी दिखाई देती है। जिस क्षेत्र की चर्चा कभी हिंसा और भय के संदर्भ में

सेवा सेतु शिविर में हितग्राहियों को मिली खाद्य योजनाओं की जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आयोजित सेवा सेतु शिविरों के क्रम में मंगलवार को जनपद पंचायत खड़गवां के सभाकक्ष में शिविर लगाया गया। यहां खाद्य विभाग ने हितग्राहियों को राशनकार्ड से जुड़ी सेवाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और शासन की विभिन्न खाद्य योजनाओं की जानकारी दी। जिले में 28 से 30 सितंबर तक सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। खड़गवां में आयोजित शिविर में हितग्राहियों को राशनकार्ड में आधार और



मोबाइल नंबर सीडिंग के साथ ई-केवाईसी की प्रक्रिया समझाई गई। जिन हितग्राहियों की आधार सीडिंग या ई-केवाईसी अब तक पूरी नहीं हुई है, उन्हें इसे जल्द पूरा कराने के लिए कहा गया, ताकि खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी न हो।

राशनकार्ड से जुड़ी जिज्ञासाओं का किया समाधान

शिविर में खाद्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों की राशन कार्ड से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही जरूरी प्रक्रियाओं के बारे में भी बताया। हितग्राहियों को राशन कार्ड में आवश्यक विवरण अद्यतन रखने और ई-केवाईसी पूरी कराने के महत्व की जानकारी दी गई, जिससे पात्र परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने शासन की विभिन्न योजनाओं और विभागीय सेवाओं की जानकारी लेने के साथ अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में भी मार्गदर्शन लिया।

सेवा संकल्प अभियानः विश्व रेबीज दिवस पर जिले में 76 श्वानों का निःशुल्क टीकाकरण

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत पशुधन विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने जिले के विभिन्न संस्थानों में रेबीज नियंत्रण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। अभियान के दौरान जिले में कुल 76 श्वानों का निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही श्वानों की डिवर्मिंग की गई और पशुपालकों व आम नागरिकों को



रेबीज के संक्रमण एवं बचाव के उपाय बताए गए। अभियान के तहत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में 37, खड़गवां में 13 और भरतपुर में 26 श्वानों को रेबीज से बचाव का टीका लगाया गया। विभाग ने लोगों को पालतू श्वानों का नियमित टीकाकरण कराने और पशुओं के काटने की घटनाओं को गंभीरता से लेने के लिए जागरूक किया। रेबीज से बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी डॉ. विनीत कुमार भारद्वाज ने बताया कि रेबीज विषाणु से होने वाली गंभीर जेनेटिक बीमारी है। संक्रमित पशु के काटने से मनुष्य के साथ अन्य पशुओं में भी संक्रमण का खतरा हो सकता है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे निःशुल्क परामर्श, जांच, उपचार और दवाएं

सेवा संकल्प अभियान के तहत चिरमिरी में 30 सितंबर से दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेवासियों को बेहतर एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिरमिरी में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को दो दिवसीय वृहद मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशन में मंगल भवन, पोड़ी में आयोजित होने वाला यह विशेष स्वास्थ्य शिविर दोनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। शिविर में प्रदेश के प्रमुख सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक एवं उनकी टीमें मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, जांच और उपचार उपलब्ध कराएंगी। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आम नागरिकों तक शासन की सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप के माध्यम से जिले के नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परामर्श लेने का अवसर मिलेगा।

एक ही स्थान पर मिलेंगी कई स्वास्थ्य सेवाएं



मेगा हेल्थ कैंप में मरीजों को एक ही स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ मिलेगा। शिविर में आवश्यकता के अनुसार स्वास्थ्य जांच एवं विभिन्न टेस्ट किए जाएंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श के आधार पर उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा और आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा। गंभीर अथवा जटिल बीमारियों से पीड़ित मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की



जाएगी। आवश्यकता होने पर ऐसे मरीजों को आगे की जांच और उपचार के संबंध में भी उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया जाएगा।

हृदय से लेकर अस्थि रोग तक मिलेगा विशेषज्ञ परामर्श

शिविर में हृदय रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, अस्थि एवं जोड़ संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। लंबे समय से किसी बीमारी से परेशान मरीज भी अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट के आधार पर विशेषज्ञों से आगे के उपचार के संबंध में सलाह ले सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि जिले के नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह के लिए दूरस्थ शहरों और बड़े अस्पतालों तक जाने से पहले स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिल सके। विशेष रूप से गंभीर एवं जटिल स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को शिविर के माध्यम से बीमारी के संबंध में प्रारंभिक स्तर पर विशेषज्ञ सलाह और आगे के उपचार की जानकारी मिल सकेगी।

परामर्श, जांच, उपचार और दवाएं निःशुल्क

दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप में वरिष्ठ सुपर स्पेशलिटी चिकित्सकों से परामर्श, विभिन्न रोगों की विशेषज्ञ चिकित्सकीय जांच, आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं टेस्ट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ चिकित्सकीय उपचार एवं मार्गदर्शन और जरूरी दवाओं का वितरण भी निःशुल्क किया जाएगा। गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर आगे आवश्यक जांच एवं उपचार के संबंध में विशेषज्ञ सलाह दी जाएगी। इससे मरीजों को अपनी बीमारी और आगे की उपचार प्रक्रिया के बारे में सही चिकित्सकीय मार्गदर्शन मिल सकेगा।

जोलगी में आंगन मिलन से खिला खुशियों का आंगन, पोषण और स्वास्थ्य के संदेश के साथ हुआ सामुदायिक संवाद



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत जोलगी के आंगनवाड़ी केंद्र छपराटोला, जोलगी एवं तरतोरा में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत जोलगी की सरपंच श्रीमती शकुन्तला, मुख्य अतिथि रजवनिया बैगा, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद भुर्तिया, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रताप भुर्तिया, भुनेश्वर सिंह, युवा मोर्चा मंत्री विजय बहादुर बैगा, स्वास्थ्य विभाग की श्रीमती अगरबती टोप्पो, शिक्षकगण तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीना सिंह एवं सुषमा भुर्तिया सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वैभव ने दलीप ट्रॉफी के लिए 6 दिन की स्पेशल क्लास ली



नई दिल्ली।टी20 क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से तहलका मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब रेड बॉल क्रिकेट की परीक्षा के लिए तैयार हैं। आईपीएल में शतक जड़ चुके इस युवा बल्लेबाज का अगला बड़ा इम्तिहान दलीप ट्रॉफी में होगा। जो 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही है। इसके लिए वैभव ने अपनी बल्लेबाजी में जरूरी बदलाव शुरू कर दिए हैं और चार-पांच दिन के क्रिकेट की जरूरतों के मुताबिक खुद को ढालने पर काम कर रहे हैं।इसी तैयारी के तहत वैभव ने अपने बचपन के कोच मनीष ओझा को खास तौर पर नागपुर स्थित राजस्थान रॉयल्स की एकेडमी में बुलाया। ओझा ने करीब छह दिनों तक वैभव के साथ ट्रेनिंग की और इस दौरान सबसे ज्यादा जोर लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की मानसिकता विकसित करने पर रहा।मनीष ओझा ने एबीपी न्यूज से खास बातचीत में वैभव की इस तैयारी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि टी20 में वैभव का अलग रौब है, लेकिन अब भारतीय टीम मैनेजमेंट भी उन्हें रेड बॉल क्रिकेट में देख रहा है। इसी वजह से उनका चयन दलीप ट्रॉफी की टीम में हुआ है और उन्हें जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है।वैभव ने खुद कोच को बुलाया मनीष ओझा के मुताबिक, उन्हें राजस्थान रॉयल्स की ओर से नहीं, बल्कि खुद वैभव सूर्यवंशी ने बुलाया था। वैभव ने अपनी इच्छा जताई कि उनके बचपन के कोच को पटना से नागपुर बुलाया जाए, ताकि वह रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी में उनकी मदद कर सकें।ओझा ने बताया कि इसके पीछे एक बड़ी वजह दोनों के बीच पुराना तालमेल भी है। बचपन से साथ काम करने के कारण वैभव उनके सामने ज्यादा सहज रहते हैं। वह उसकी कमजोरियों और खूबियों को अच्छी तरह समझता है।

सैंटियागो पीटा ने उन्हें रोकने की कोशिश की



न्यू स्टेडियम में इंटर मियामी और अटलांटा यूनाइटेड के बीच मुकाबले में लियोनेल मेसी का शानदार अंदाज देखने को मिला. मैच के पहले हाफ में मेसी गेंद को लेकर अटलांटा यूनाइटेड के तीन खिलाड़ियों के बीच से निकलते नजर आए. डिफेंडर टोमस जैकब और मिडफील्डर ट्रिस्टन मुयुंबा और सैंटियागो पीटा ने उन्हें रोकने की कोशिश की

मॉर्गन नहीं, तो कौन बनेगा CSK का कोच



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स में स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल लंबा कार्यकाल खत्म होने के बाद टीम नए हेड कोच की तलाश में है। फ्लेमिंग के जाने के बाद यह पहली बार है जब फ्रेन्च्य को अपना मुख्य कोच चुनना होगा। फ्लेमिंग ने 2009 में टीम की कमान संभाली थी और उनके मार्गदर्शन में फ्रेन्च्य ने 53इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन को हेड कोच बनाए जाने की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है। मॉर्गन का नाम पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने फ्रेन्च्य के अगले कोच के संभावित उम्मीदवारों में लिया था।श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, %वह मॉर्गन को फ्रेन्च्य के कोच के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे। उनका मानना है कि मॉर्गन बतौर खिलाड़ी और इंग्लैंड के कप्तान अच्छे रहे, लेकिन कोच के तौर पर उन्हें फ्रेन्च्य के लिए विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मॉर्गन के लिए कमेंट्री पर ध्यान देना बेहतर होगा।

श्रीसंत ने संजू से नहीं मिलाया हाथ

आखिरी ओवर में छक्का लगाकर त्रिशूर टाइटन्स को चैम्पियन बनाया

एजेंसी ➤ तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट लीग 2026 के फाइनल के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी का एक वीडियो चर्चा में है। वीडियो में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन मंच पर एक-दूसरे के करीब नजर आते हैं, लेकिन दोनों के बीच हैंडशेक नहीं हुआ। इसके बाद फैन्स दोनों के बीच रिश्ते को लेकर सवाल उठाने लगे। 5 सितंबर (रविवार) को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित प्रेजेंटेशन सेरेमनी में एस श्रीसंत एरीज सह-मालिक के तौर पर कोल्लम सेलर्स की ओर से फेयर प्ले अवॉर्ड लेने पहुंचे थे, जबकि संजू सैमसन लीग एंबेसडर और खास मेहमान के तौर पर समारोह में मौजूद थे।



वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच कथित तनाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, उपलब्ध फुटेज में सिर्फ दोनों के बीच हैंडशेक नहीं होने का पल दिखाई देता है। संजू सैमसन के करियर के शुरुआती दौर में एस श्रीसंत की अहम भूमिका रही। जब सैमसन ढ्ढक्क (इंडियन प्रीमियर लीग) में मौका तलाश रहे थे। तब श्रीसंत ने उन्हें राजस्थान रॉयल्स (क्रक्र) के ट्रायल के लिए जयपुर लेकर गए थे। उन्होंने तत्कालीन कोच राहुल द्रविड़ से भी सैमसन के टैलेंट का जिक्र किया था।

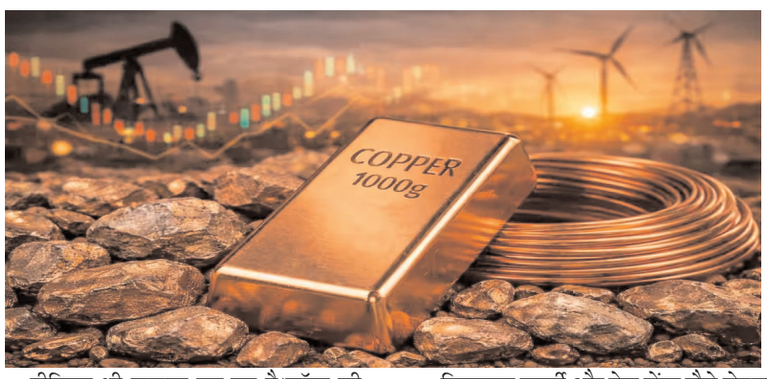
संजू के सपोर्ट में खुलकर उतरे थे श्रीसंत

श्रीसंत इसके बाद भी कई मौकों पर सैमसन के समर्थन में नजर आए। जब सैमसन को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल की टीम से बाहर कर दिया गया था, तो श्रीसंत उनके समर्थन में उतर आए थे और केरल क्रिकेट एसोसिएशन (च्यष्ट) पर निशाना साधा था। इसके बाद केसीए ने श्रीसंत को तीन साल के लिए बैन भी कर दिया था, लेकिन बाद में ये प्रतिबंध हटा लिया गया। केसीएल 2026 के फाइनल में त्रिशूर टाइटन्स ने कालीकट ग्लोबस्टार्स को चार विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीता। कालीकट ग्लोबस्टार्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 167/9 रन बनाए। अखिल स्कारिया ने 45 और अश्विन आनंद ने 40 रनों की पारी खेली। रनचेज में अहमद इमरान 69 रन बनाए और संजीव सतीशन के साथ 87 रनों की साझेदारी की। इसके बाद कप्तान एमएस अखिल ने 11 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने आखिरी ओवर में छक्का लगाकर त्रिशूर टाइटन्स को चैम्पियन बनाया।

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्ष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्नस् एजुकेशन की



ष्टश्वह रह चुकी हैं और स्ठष्ठ व ह्यष्टश्वक्क के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली-जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

विदेश में मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



पीएम का हिमाचल जोर

हिमाचल के शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह का ब्राजील भ्रमण अगर पर्वतीय शहरों के लिए भविष्य की योजनाएं ला रहा है, तो यह दिशा परिवर्तन का एक अहम पड़ाव हो सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में 'स्पंज शहर' की अवधारणा में शिमला, धर्मशाला व मनाली जैसे शहरों पर आधारित अध्ययन की कसौटी में योजनाएं बनाने का विचार पैदा हुआ है। हम हिमाचली शहरों को जहां ले आए हैं, वहां जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, प्रकृतिक संपदा और विकास की महत्त्वाकांक्षा से संघर्ष जारी है। चीन ने 2013 से ही इस संदर्भ में परियोजनाएं बनानी शुरू कीं और उसके नतीजे में अब अमरीका, जर्मनी व ब्राजील जैसे देश भी शहरी नियोजन, लैंडस्केप और आर्किटेक्चर को नए मुकाम पर लाने में सफल हुए हैं। ब्राजील ने 5570 नगर निकायों की मैपिंग करके 1942 क्षेत्रों को बाढ़ की परिस्थितियों से उबारा है। हिमाचल में मंडी के थुनाग में बाढ़ के कारणों में नदी के प्राकृतिक रास्ते पर अतिक्रमण, बेतरतीब निर्माण और भौगोलिक संवेदनशीलता को नजरअंदाज करके हो रहा विकास चिन्हित हुआ है। इतना ही नहीं विद्युत व जलापूर्ति के लिए कोई ऐसा खाका नहीं कि जिसे आबादियों के नियोजन के साथ जोड़ा जा सके। अकसर बिजली के पोल या तो सडक़ों के किनारे घातक परिस्थितियां पैदा करते हैं या जलापूर्ति की पाइपें अपने रिसाव से परिवेश को जख्मी करती हैं। ऐसे में स्पंज सिटी के ख्वाब तभी पूरे होंगे जब हर महकमें की विकास परियोजनाएं तथा शहरी नियोजन के विकल्प पूरी तरह भविष्य की परिकल्पा में नियोजित होंगे। विश्व के दस देशों में 250 के करीब परियोजनाएं इस दिशा में चल रही हैं ताकि प्रकृति के रौद्र रूप, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और बाढ़ जैसी स्थितियों का स्थानीय निवारण हो सके।ब्राजील ने रेन गार्डन, ग्रीन रूफ तथा रेजिडेंशियल वाटर स्टोरेज टैंक से उपचार करके जल प्रबंधन किया है। [

विचार

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग

लेखक

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार



आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण्संदर्भ में भी देखे।

विचार

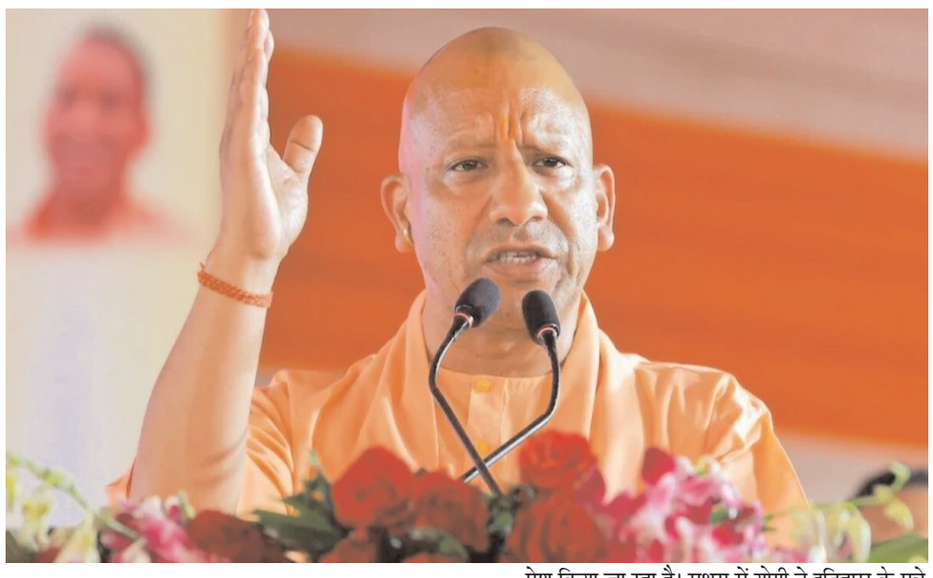
मथुरा में योगी की चुनावी पटकथा

आशीष मिश्र

लेखक

मथुरा में जन्माष्टमी की रात कान्हा के जन्म का इंतजार था लेकिन इसके पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत के लिए कई संकेत छोड़ दिए। वृंदावन के मंच से सनातन और मंदिरों की बात, श्रीकृष्ण जन्मभूमि से आस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संदेश, जाटों के बीच चर्चित 'चवन्नी' प्रसंग को हवा और पश्चिमी यूपी के पुराने दंगों-पलायन की याद। 3 से 4 सितंबर, दो दिन के इस प्रवास में धार्मिक आयोजन और सरकारी कार्यक्रम जरूर थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी के भाषणों में 2027 की चुनावी पटकथा के कई पन्ने साफ पढ़े जा सकते थे। 3 सितंबर को मुख्यमंत्री ने वृंदावन में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह समेत 1,051 करोड़ रुपए की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 540 करोड़ रुपए से अधिक की 62 परियोजनाओं का लोकार्पण और 437 करोड़ रुपए से अधिक की 167 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल था। आवास योजना के लाभार्थियों के खातों में 72 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि भी भेजी गई। अगले दिन 4 सितंबर को जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचे। गोमाता का पूजन किया, गर्भगृह में बाल कृष्ण के दर्शन किए और योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर तथा भागवत भवन में पूजा-अर्चना की। लेकिन इस धार्मिक यात्रा के समानांतर राजनीतिक संदेश लगातार चलते रहे। मथुरा से योगी ने दरअसल दो बड़े सियासी निशाने साधे। पहला, हिंदुत्व और श्रीकृष्ण जन्मभूमि का एजेंडा। दूसरा, पश्चिमी यूपी के जाट वोटरों को साधने की कोशिश। इनके बीच कानून-व्यवस्था और विकास को तीसरे सहारे के रूप में रखा गया।

मथुरा में जन्माष्टमी की रात कान्हा के जन्म का इंतजार था लेकिन इसके पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत के लिए कई संकेत छोड़ दिए। वृंदावन के मंच से सनातन और मंदिरों की बात, श्रीकृष्ण जन्मभूमि से आस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संदेश, जाटों के बीच चर्चित 'चवन्नी' प्रसंग को हवा और पश्चिमी यूपी के पुराने दंगों-पलायन की याद। 3 से 4 सितंबर, दो दिन के इस प्रवास में धार्मिक आयोजन और सरकारी कार्यक्रम जरूर थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी के भाषणों में 2027 की चुनावी पटकथा के कई पन्ने साफ पढ़े जा सकते थे। 3 सितंबर को मुख्यमंत्री ने वृंदावन में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह समेत 1,051 करोड़ रुपए की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।



योगी के भाषण का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह था कि अयोध्या और काशी के बाद ब्रज भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांस्कृतिक एजेंडे का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़े जाने का जिक्र किया और कहा कि वे सनातन आस्था को नहीं मिटा सके। यह बयान अपने आप में नया नहीं है, लेकिन मथुरा में जन्माष्टमी के मौके पर इसका राजनीतिक महत्व जरूर बढ़ जाता है। खासकर तब, जब मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन को अयोध्या और काशी की तर्ज पर विकसित करने की बात कही। उनका तर्क धार्मिक आस्था के साथ सुविधाओं और पर्यटन से भी जुड़ा था। यानी मंदिर और विकास को एक ही राजनीतिक पैकेज में रखने की कोशिश। यही भाजपा की मौजूदा राजनीति का प्रमुख मॉडल भी है। अयोध्या में राम मंदिर, काशी में विश्वनाथ धाम और अब ब्रज में कृष्णभूमि। इन तीनों को एक सांस्कृतिक धुरी के रूप में पेश किया जा रहा है। मथुरा में योगी ने इतिहास के पन्ने पलटते हुए बाबर और औरंगजेब का उल्लेख किया। विपक्ष का नाम लिए बिना सवाल खड़ा किया कि अयोध्या पर बोलने वाले श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर चुप क्यों हैं। राजनीतिक तौर पर यह विपक्ष को एक वैचारिक कसौटी पर खड़ा करने की कोशिश है। यानी चुनावी सवाल यह नहीं रहने देना कि सरकार ने क्या किया बल्कि यह भी बनाना कि कौन सनातन आस्था और धार्मिक विरासत के साथ खड़ा है और कौन नहीं। राजनीतिक विश्लेषक और आगरा कॉलेज में प्रोफेसर डॉ। लवकुश मिश्र मानते हैं कि 2027 के चुनाव मलिए हिंदुत्व का मुद्दा खत्म होने वाला नहीं है लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी को इसे नए सामाजिक और विकासात्मक नैरेटिव के साथ जोड़ना होगा। डॉ। लवकुश मिश्र बताते हैं, ÷मथुरा में योगी ने यही प्रयोग किया। है।मथुरा में योगी के दो दिन का दौरा अगर चुनावी चिंता साफ नजर आती है।

(एक नजर)

शुक्र का राशि परिवर्तन

नई दिल्ली।सितंबर की शुरुआत ग्रहों की चाल के लिहाज से बेहद खास रहने वाली है। 7 सितंबर को शुक्र अपनी ही राशि तुला में प्रवेश करने जा रहे हैं। ज्योतिष में शुक्र को प्रेम, सौंदर्य, सुख-सुविधा, धन और भौतिक सुखों का कारक माना जाता है। ऐसे में शुक्र का अपनी राशि में गोचर कई राशियों के लिए शुभ परिणाम लेकर आ सकता है। 6 सितंबर को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर शुक्र तुला राशि में प्रवेश करेंगे, 6 नवंबर तक यहीं रहेंगे। इस अवधि में 7 राशियों के लिए आर्थिक स्थिति, नौकरी, कारोबार और रिश्तों के लिहाज से अच्छे योग बन सकते हैं।मेष राशिः मेष राशि वालों के लिए शुक्र का तुला राशि में गोचर कई मामलों में सकारात्मक रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी या कोई बेहतर अवसर मिल सकता है। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबारियों के लिए नई डील या साझेदारी के रास्ते खुल सकते हैं। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने के संकेत हैं। निजी जीवन में भी पार्टनर के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं।कर्क राशिः कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का गोचर करियर और आर्थिक मामलों में लाभकारी रह सकता है। कार्यस्थल पर आपके काम की तारीफ हो सकती है।

विचार

चीन ने बदला रक्षा कानून, भारत के लिए क्यों बढ़ी चिंता

प्रदीप आर

लेखक

नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होने वाला है, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे. इसी बीच चीन ने अपने राष्ट्रीय रक्षा कानून में बड़ा बदलाव किया है. अब इस कानून के तहत चीन सरकार को देश की रक्षा के लिए आम लोगों के संसाधनों, उद्योगों, तकनीक, डेटा और सोसाइटी इस्तेमाल करने के ज्यादा अधिकार मिल गए हैं। 2010 में यह कानून लागू होने के बाद पहली बार इसमें इतने बड़े बदलाव किए गए हैं। 28 अगस्त को राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति ने इस संशोधित कानून को मंजूरी दी। इसमें पहले की तरह 14 चैप्टर ही रहेंगे लेकिन अनुच्छेदों की संख्या 72 से बढ़कर 82 कर दी गई है। यह नया कानून 1 अक्टूबर से लागू होगा। इन बदलावों के बाद चीन के पास इस कानून का इस्तेमाल करने के ज्यादा अधिकार होंगे। अब इसमें देश की सुरक्षा, एकता और सीमा की रक्षा के साथ विकास से जुड़े हितों को भी शामिल किया गया है। यानी चीन सिर्फ सैन्य खतरे के समय ही नहीं बल्कि आर्थिक सुरक्षा, तकनीक, विदेशों में अपनी संपत्तियों और दूसरी जरूरी चीजों की सुरक्षा के लिए भी इस कानून का इस्तेमाल कर सकता है। यह कानून सिर्फ दुश्मन के हमले के समय ही लागू नहीं होगा



बल्कि चीन को अगर अपने हितों पर खतरा लगता है तो सरकार जरूरत के मुताबिक देश के लोगों और संसाधनों का इस्तेमाल कर सकती है।

नए कानून में टेलीकॉम, मीडिया, साइबर सुरक्षा और सूचना से जुड़ी सेवाओं को भी रक्षा से जोड़ दिया गया है। इसमें डेटा सिस्टम के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ), साइबर ऑपरेशन और स्वचालित तकनीक को भी शामिल किया गया है। देश में आपात स्थिति आने पर सरकार टेलीकॉम नेटवर्क, डेटा सेंटर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और मीडिया सिस्टम का इस्तेमाल सेना के काम, सूचना नियंत्रण और जरूरी जानकारी पहुंचाने के लिए कर सकती है।नए कानून में कंपनियों के लिए नियम और सख्त किए गए हैं। सरकार कंपनियों से उपकरण, सामान, तकनीक, सॉफ्टवेयर और डेटा का स्टॉक रखने को कह सकती है। जरूरत पड़ने पर कंपनियों को अपने विशेषज्ञ कर्मचारियों को काम पर लगाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए भी तैयार रहना होगा।ढ्ढ, ड्रोन, रोबोट और सैटेलाइट संचार जैसी नई तकनीकों को भी कानून में शामिल किया गया है। इसका मकसद यह है कि जरूरत पड़ने पर कारखानों, तकनीकी कंपनियों और बुनियादी ढांचा बनाने वाली कंपनियों को जल्दी से रक्षा से जुड़े काम में लगाया जा सके।लोगों की जिम्मेदारियों को लेकर भी नियम साफ किए गए हैं। 18 से 60 साल के पुरुषों और 18 से 55 साल की महिलाओं को सैन्य काम, आपदा से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद के लिए लगाया जा सकता है। सरकार जरूरत पड़ने पर इमारतों, वाहनों और उपकरणों का इस्तेमाल अपने काम के लिए कर सकती है। इसके बदले मुआवजे और कुछ मामलों में छूट का प्रावधान भी है। खास बात यह है कि इसकी तैयारी शांति के समय से ही शुरू करनी होगी। कंपनियों को पहले से तैयार रहना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर वे तुरंत काम कर सकें। ये बदलाव ऐसे समय में हुए हैं जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और चीन समेत कई देशों के बीच मुकाबला बढ़ रहा है और भारत-चीन सीमा पर भी सैन्य तनाव बना हुआ है। भारत के लिए चिंता की बात सिर्फ यह नहीं है कि चीन कम समय में कितने सैनिक जुटा सकता है बल्कि यह है कि वह अपनी आर्थिक और तकनीकी ताकत को लंबे समय तक सैन्य ताकत में बदलने की तैयारी कर रहा है।2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (ख्रष्ट) पर तनाव के बाद से भारत और चीन ने सीमा पर सड़कें और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई हैं। दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक भी तैनात कर रखे हैं। अगर संकट लंबे समय तक चलता है तो चीन लोगों, सामान, वाहनों और कारखानों के उत्पादन को तेजी से जुटा सकता है। इससे दोनों देशों के बीच शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है।ख्रष्ट पर संकट के दौरान सेना के लिए सामान पहुंचाने, सड़कों और संचार, गोला-बारूद, कारखानों में उत्पादन, सैटेलाइट, साइबर नेटवर्क और सूचना व्यवस्था पर एक साथ दबाव पड़ सकता है। चीन का नया कानून इन सभी चीजों को संकट शुरू होने से पहले ही तैयार रखने की कोशिश करता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि भारत की रक्षा योजना के लिए इसके मायने बहुत स्पष्ट हैं। देश को सशस्त्र बलों और निजी क्षेत्र समेत नागरिक उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत है। साथ ही रणनीतिक भंडार बढ़ाने, ऐसी सप्लाई चेन तैयार करने की जरूरत है जो संकट के समय भी चलती रहें, रक्षा उत्पादन तेजी से बढ़ाने और संचार व जरूरी बुनियादी ढांचे को ज्यादा मजबूत बनाने की जरूरत है। साइबर सुरक्षा और सूचना तंत्र की मजबूती को सिर्फ नागरिक तकनीक से जुड़ी जरूरत नहीं बल्कि सैन्य अभियान की अहम जरूरत माना जाना चाहिए। भविष्य में होने वाले किसी भी टकराव में सैन्य नेटवर्क, जरूरी बुनियादी ढांचे, जनता तक पहुंचने वाली सूचना और पूरे सूचना तंत्र पर एक साथ दबाव डाला जा सकता है। यह मुद्दा इसलिए भी अहम है क्योंकि चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

गर्मी के मौसम में हरी मिर्च है वरदान, न बनाएं इससे दूरी

गर्मी का मौसम आ चुका है। साथ ही साथ दिन प्रतिदिन बढ़ती गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल होता जा रहा है। लोग गर्मी की मार से बचने के लिए कोल्ड ड्रिंक व आइसक्रीम का सेवन कर रहे हैं। लोगों को ऐसा लगता है कि ठंडी चीजें खाने से शरीर और पेट ठंडा रहता है जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। बल्कि इन चीजों से गर्मी और बढ़ जाती है। गर्मी के मौसम में अधिकांश लोग मसालेदार व तीखी चीजें खाने से बचते हैं पर शायद कम लोग जानते हैं कि तीखा खाने से गर्मी घट जाती है। इसीलिए स्वाद से तीखी हरी मिर्च आपको गर्मियों में लू से बचाने के अलावा कई गंभीर बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होगी। आइए जानते हैं हरी मिर्च के फायदे। हरी मिर्च में एंटी ऑक्सीडेंट के साथ-साथ डाइट्री फाइबर्स के तत्व प्रचूर मात्रा में पाएं जाते हैं। इससे पाचन क्रिया बेहतर तरीके से काम करता है। हरी मिर्च का सेवन करने से गैस, कब्ज जैसी बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है। हरी मिर्च में एंटी बैक्टीरियल तत्व भी पाए जाते हैं। शरीर में मौजूद बुरे बैक्टीरिया को हरी मिर्च का सेवन करने से खत्म किया जा सकता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है जिससे शरीर को एलर्जी या संक्रमण से बचाया जा सकता है। रिसर्च के मुताबिक हरी मिर्च का सेवन करने से ब्लड में मौजूद शुगर नॉर्मल रहता है। डायबिटीज रोग से ग्रसित लोगों को हरी मिर्च का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए।

फटे होंठ व खराब त्वचा से हैं परेशान तो इलायची का इस तरह करें इस्तेमाल

रोजाना घर में इस्तेमाल होने वाली इलायची का स्वाद ऐसा होता है जो बहुत देर तक जुबान पर बना रहता है। इलायची जिस भी व्यंजन में पड़ जाती है उसके स्वाद के साथ-साथ खुशबू भी कई गुना बढ़ जाती है। इलायची सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। पर क्या आप जानते हैं कि खुशबूदार इलायची खाने के अलावा आपके स्किन को भी निखारने में सहायक होता है। इलायची को स्किन की कई तरह की समस्याओं को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

पिंपल्स हो जाते हैं गायब

चेहरे पर मुंहासे और दाग धब्बे हो रहे हैं और कई तरह के उपाय अपनाने के बावजूद भी समस्या से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है तो आप इलायची का इस्तेमाल कर चेहरे पर निखार ला सकती हैं। इलायची का नियमित सेवन करने से शरीर डिटॉक्स हो जाता है और रंग भी निखर आता है। इलायची में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो स्किन एलर्जी को खत्म करने में मदद करते हैं।

होंठ हो जाएंगे सॉफ्ट

बाहर गर्म हवाओं के कारण होंठ ड्राई हो रहे हैं तो परेशान न हों। एक इलायची पीसकर उसमें मक्खन मिला लें और दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिन में आपको होठों की रंगत निखर कर आने लगेगी। यानी बिना लिपस्टिक लगाए भी आपके होंठ गुलाबी नजर आएंगे।

गोरी त्वचा पाएं

इलायची नियमित रूप से खाने से शरीर के टॉक्सिन खत्म हो जाते हैं। इलाएची में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं। अपनी इसी खूबी की वजह से इलाएजी खाने से स्किन एलर्जी ठीक हो जाती है और त्वचा में गोरा निखार नजर आने लगता है।

इलायची और शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं

इलायची के साथ शहद भी स्किन के लिए बहुत अच्छा है। इलायची

कहीं प्यार में आपका इमोशनल शोषण तो नहीं हो रहा, 4 तरीकों से करें पता

अक्सर प्यार में पड़कर ये जानना मुश्किल हो जाता है कि क्या आपका पार्टनर भी आपसे उतना ही प्यार करता है जितना आप उससे प्यार करते हैं। कभी-कभी प्यार के साथ तकरार देखने को तो मिलती ही है, लेकिन ये सिर्फ एक हद तक ही अच्छी लगती है। कभी-कभी कपल्स के बीच ऐसी बातें भी हो जाती है जिससे मनमुटाव हो सकता है। इसके चलते ये बातें स्वाभिमान को छू लेती है। याद रखें कि एब्यूज सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि मौखिक, भावनात्मक व मानसिक तौर पर भी शोषण होता है। इसलिए इन लक्षणों से पहचानें कि क्या आपका रिलेशनशिप अब एब्यूजिव रिलेशनशिप में तब्दील हो चुका है।

डिसरिस्पेक्ट

रिलेशनशिप में प्यार के साथ-साथ सम्मान भी बहुत जरूरी होता है। अगर आप अपने पार्टनर को रिस्पेक्ट दे रहे हैं और बदले में आपको इज्जत नहीं मिल रही है तो अब सोचने की जरूरत है। क्योंकि कभी-कभी ऐसे हालात उत्पन्न हो जाते हैं कि आपका पार्टनर आपको उल्टा-सीधा बोलने लगता है।

इग्नोर करना

जीवन की गाड़ी को अगर सही तरीके से पटरी पर चलानी है तो दोनों पार्टनरों की राय और निर्णय बहुत आवश्यक है। यादि आपका पार्टनर आपकी बात को इग्नोर कर देता है तो उसे बिल्कुल बर्दाश्त मत करिए। क्योंकि ऐसा होने पर कहीं न कहीं आपके सम्मान को ठेस पहुंचता है।

जबरदस्ती

यह जबरदस्ती रिलेशनशिप के दौरान किसी भी मामले में हो सकती है। रिश्ते में दोनों की भावनाओं और इच्छाओं का सम्मान बेहद जरूरी है।

भावनात्मक रूप से ब्लैकमैलिंग

कई पुरुषों व महिलाओं की आदत होती है कि वह अपना बात मनवाने के लिए इमोशनल ब्लैक मेलिंग का सहारा लेते हैं। किसी न किसी चीज को हथियार बनाकर एक-दूसरे को ब्लैक मेल करते हैं।

गर्मी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है और साथ ही कई बीमारियां भी साथ लेकर आई है। ऐसे में आपका स्वस्थ रहना जरुरी है। गर्मी इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करता है। पाचन और त्वचा संबंध समस्याओं के साथ ही मौसमी फ्लू, लू लगना और संक्रमण का भी गर्मी के दिनों में खतरा बना रहता है। ऐसे में हम आपको कुछ जरूरी टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे आप बीमार पड़ने से बच सकते हैं।

बढ़ता तापमान कहीं आपको कर न दे बीमार



यदि आपके शरीर में पर्याप्त पानी है तो आप 90 फीसदी बीमारियों से लड़ सकते हैं। पानी को शरीर के फाइबर द्वारा हमारे कोलोन में खींच लिया जाता है और यह नरम मल बनाने में शरीर की मदद करता है। गर्मी में प्यास का ज्यादा एहसास होता है साथ ही पसीना भी बहुत आता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है। अनाज, सब्जियां, फलियां और फल जैसे फाइबर के बढ़िया स्त्रोत वाले खाद्य पदार्थ हमारे पाचन क्रिया को सही रखते हैं और व्यक्ति को कब्ज से दूर रखते हैं। गर्मी में कैफीन का ज्यादा सेवन करना पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। जो आगे चलकर अल्सर, ऐसिडिटी और जलन का कारण बनता है। इसलिए गर्मी के मौसम में चाय-कॉफी का कम सेवन करना चाहिए जहां तक संभव हो दही, छाछ, जूस जैसी ठंडी चीजों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। पसीना निकलना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि यह आपके शरीर से गंदगी निकालने में मदद करता है। साथ ही आपके शरीर को फिट और स्वस्थ रखने में लाभदायक होता है। ऐसे में ज्यादा एक्सरसाइज करें ताकि आप फिट रह सकें।

दांतों को चमकाने के लिए इस्तेमाल करते हैं पेस्ट तो सावधान, हो सकता है आपको नुकसान

चमचमाते दांत पाने के लिए इस्तेमाल करें वाइट शाइन, इस तरह के कई विज्ञापन देखे होंगे और आप में से कई लोगों ने ये प्रोडक्ट्स इस्तेमाल भी किए होंगे। बिना किसी जांच पड़ताल के नई चीजें इस्तेमाल करना ज्यादातर लोगों की आदत होती है। लेकिन जानकारी के लिए बता दें कि दांतों की सफेदी के लिए अगर कोई पेस्ट इस्तेमाल करते हैं तो आज से बंद कर दें क्योंकि हम बताने जा रहे हैं इसके नुकसान।दांतों को चमकाने वाले प्रोडक्ट्स भले ही आपकी मुस्कुराहट को खूबसूरत बना दें, लेकिन ये आपके दांतों को नुकसान पहुंचाने की वजह बन सकते हैं। इंसानों के दांत तीन परतों से मिल कर बने होते हैं, बाहरी इनेमल, अंदरूनी डेंटिन परत और तीसरा जो दांतों को मसूड़ों से जोड़ता है।अमेरिका के स्टॉकटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन के मुताबिक दांतों को चमकाने वाले प्रोड्क्टस में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड दांतों की हिफाजत करने वाले इनेमल के नीचे पाए जाने वाले प्रोटीन युक्त डेंटिन टिशू को नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादातर शोध में पूरा ध्यान दांत के इनेमल पर केंद्रित किया जाता है, लेकिन इस शोध में डेंटिन पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिससे दांत के ज्यादातर हिस्से का निर्माण होता है। डेंटिन में खासकर कॉलाजन का लेवल हाई होता है। कॉलाजन शरीर में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला प्रोटीन है। ये हमारे नाखून, बाल, हड्डियों, लिगामेंट्स, नसों को आकार देने में मदद करता है। रिपोर्ट के मुताबिक हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के साथ डेंटिन के मुख्य प्रोटीन छोटे

गर्मी के मौसम में जिम करते वक्त रहें सावधान, वरना पड़ सकते हैं बीमार

आजकल हर कोई फिट रहने के लिए एक्सरसाइज करता है। लेकिन गर्मी के दिन आते ही लोगों की तरह-तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप प्रतिदिन एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं तो गर्मी के मौसम में आपको सावधान रहने की जरूरत है। एक्सरसाइज करने के दौरान शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करना मुश्किल हो जाता है। अगर आप इस दौरान कुछ सावधानी नहीं बरतते हैं तो आप बीमार हो सकते हैं। इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करने के दौरान किस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

सुबह जल्दी उठकर करें एक्सरसाइज

गर्मी के मौसम में सुबह ही तापमान काफी गर्म हो जाता है। इसलिए इन दिनों सुबह जल्दी उठकर एक्सरसाइज करें। ऐसा करना आपको लिए फायदेमंद होगा। अगर आप जल्दी उठकर एक्सरसाइज करते हैं तो आप दिन के जरूरी कामों को भी अच्छी तरह से निपटा सकते हैं।

ज्यादा पानी पिएं

व्यायाम करने के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। क्योंकि गर्मी में एक्सरसाइज करने के दौरान शरीर से काफी पसीना निकलता है। इसलिए सुबह के वक्त उठते ही सबसे पहले दो ग्लास गुनगुना पानी पिएं। इसके बाद एक्सरसाइज करने के लिए तैयार हों। एक्सरसाइज करने के दौरान जब भी आपको प्यास लगे पानी जरुर पिएं। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने से आप डिहाइड्रेशन के शिकार हो सकते हैं।

एनर्जी ड्रिंक्स न पिएं

अधिकांश लोग एक्सरसाइज करने के दौरान एनर्जी ड्रिंक्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन एक्सरसाइज के दौरान आपको एनर्जी ड्रिंक्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन एनर्जी ड्रिंक्स में काफी मात्रा में ग्लूकोज होता है, जो शरीर में जाकर तरुंत एनर्जी में बदल जाता है। ऐसे में अगर आप वजन घटाने या बॉडी को शेप में लाने के लिए एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो आपके शरीर में जमा फैट की जगह शरीर एनर्जी ड्रिंक्स से मिली ऊर्जा का इस्तेमाल करने लगता है और आपको एक्सरसाइज का पूरा फायदा नहीं मिलता है।

तुरंत न नहाएं

गर्मी में कई लोग एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद नहा लेते हैं। एक्सरसाइज के दौरान पसीना आना लाजिमी है लेकिन ज्यादा मेहनत करने के बाद आपको थोड़ा आराम करने की भी जरुरत होती है। ताकि शरीर का तापमान कम हो जाए। एक्सरसाइज करने के एक घंटे बाद लोगों को नहाना चाहिए।

अरेंज मैरिज के दौरान इन लड़कों से रहें सावधान, केवल आपका वक्त बर्बाद करेंगे

भले ही आजकल लोग लव मैरिज में ज्यादा विश्वास रखते हों लेकिन आज भी कई लोग हैं जो अरेंज मैरिज करने में विश्वास रखते हैं। हालांकि अरेंज मैरिज से पहले लड़का और लड़की दोनों की एक मुलाकात भी करवाई जाती है। इसलिए आज हम आपको अरेंज मैरिज से जुड़े इसी कॉन्सेप्ट से जुड़ी दिलचस्प बातें बताएंगे। क्योंकि शादी का फैसला हर किसी के लिए अहम होता है। लेकिन इसमें जरा सी भी लापरवाही बरतने पर पूरी जिंदगी बर्बाद हो सकती है। इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं हैं कि जब आप अरेंज मैरिज करेंगी तो इस दौरान आपको तरह-तरह के लड़के मिल सकते हैं।





तोलमोल करने वाले लड़के

कई लड़के होते हैं जिन्हें अपनी पत्नी से ढेर सारी उम्मीदें होती हैं। वो अरेंज मैरिज के दौरान लड़की से जुड़ी हर चीज को बड़े बारीकी से देखते हैं, कई सावल पूछते हैं। अगर आपको भी ऐसा लड़का देखने आया हो या आने वाला हो तो आप सावधान हो जाएं। उनसे बातचीत करने के दौरान जरा सावधानी बरतें क्योंकि आपकी छोटी गलती आपको मुसीबत में डाल सकती है।

डिमांड करने वाले लड़के

कुछ लड़के होते हैं जो शादी से पहले व उसके बाद कुछ महीनों तक पत्नी की हर बात मानते हैं। लेकिन जैसे ही थोड़ा वक्त बीतता है वो अपनी डिमांड करने लग जाते हैं। लेकिन इस तरह के लड़कों में थोड़ा अंतर होता है। क्योंकि कुछ लड़के शादी के बाद अपनी बात मनवाते हैं तो कुछ लड़के शादी से पहले अपनी डिमांड रख देते हैं कि वो आपसे एक पत्नी के तौर पर क्या चाहते हैं।

अरेंज मैरेज के दौरान लड़का और लड़की दोनों को आपस में बात करने के लिए मौका दिया जाता है। इस दौरान दोनों एक-दूसरे से जुड़े सवाल पूछते हैं। लेकिन कुछ लड़के ऐसे होते हैं जो फिजूल के सवाल भी पूछने लगते हैं। बेमतलब की बातों को भी डिटेल में पूछते हैं। अगर आपको भी कोई ऐसा लड़का देखने आए तो आप पहले से ही सावधान हो जाएं। और आप उन्हीं सवालों का जवाब दें जो आपके मतलब की हो।

टाइम खराब करने वाले

कुछ लड़के होते हैं जो परिवार और रिश्तेदारों के कहने या उनके दबाव में आकर शादी के लिए हां कर देते हैं। लेकिन वास्तव में वह शादी से खुश नहीं होते हैं। इस तरह के लड़के न तो आपमें कोई दिलचस्पी दिखाते हैं और न ही आपसे कोई सवाल-जवाब करेंगे। इतना ही नहीं, इस तरह के लड़के आपका टाइम खराब करने के बाद पीछा छुड़ाने में भी समय नहीं लगाएंगे।

बेहोशी को ना करें नजरअंदाज, जानलेवा हो सकते हैं परिणाम

चक्कर खाकर गिरना या बेहोशी का अनुभव कभी न कभी आपने ने भी अपने जीवन में किया होगा और नहीं किया तो अच्छी बात है। बेहोशी को सामान्य समझकर अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। भले ही ये सामान्य लगे लेकिन



बेहोशी जानलेवा हो सकती है। आगे की स्लाइड्स में जानें कारण।

जब आप बेहोश होते हैं, तो आप गिर सकते हैं और खुद को घायल कर सकते हैं। कई बार यह घातक चोटों का कारण बन सकता है, जिससे व्यक्ति जिंदगी भर के लिए प्रभावित हो जाता है। अगर आप कभी बेहोश हुए हो, तो ये हृदय रोग की एक चेतावनी हो सकती है। इसे मेडिकल शब्दावली में सिंकोप कहा जाता है। अस्थायी रूप से बेहोश होना सिंकोप की शुरुआत है, जिसका मुख्य कारण मस्तिष्क में खून का अपर्याप्त प्रवाह है। यह एरिथिमिया का संकेत भी हो सकता है, जो दिल की धड़कनों के असामान्य होने के कारण होता है। इससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा होता है।

भारत में बेहोशी हर वर्ग के लोगों को होती है। हालांकि, युवाओं में अधिकतर इसके लक्षण पाए गए हैं। बिना किसी संकेत के होने वाली बेहोशी घातक हो सकती है। बेहोशी या सिंकोप हृदय को जब किसी तरह का नुकसान पहुंचाता है, तो हृदय के खून को बेहतर तरीके से पंप करने की क्षमता को प्रभावित करता है। बेहोश होना किसी व्यक्ति के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। बेहोशी का मुख्य कारण हृदय से जुड़ा है इसलिए कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट (बेहोशी का इलाज करने वाला विशेषज्ञ) से जरूर संपर्क करें।

ऐसे करें उपचार

- घबराहट, सिर चकराने, बहुत कमजोरी महसूस होने, थकान होने या सांस लेने में परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- अगर आपको बेहोशी जैसा महसूस हो, तो दिमाग का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करने के लिए लेट जाएं।
- बेहोशी का रिकॉर्ड जरूर रखें। भले ही एक बार बेहोशी हो इसके नुकसान से बचने के लिए विशेषज्ञ को संपर्क करें।
- बेहोशी को नजरअंदाज न करें, ये जानलेवा हो सकती है।

आपके लिए आपके लाइफस्टाइल में अच्छे बदलाव, दवा और इलाज के जरिए सिंकोप से निपटा जा सकता है। दवाई और थेरेपी बीमारी की स्थिति पर निर्भर करता है। कोई भी बीमारी इतनी घातक नहीं होती जिससे आप उभर नहीं सकते, सकारात्मक सोच रखें।

न्यूज इन शॉर्ट

एशियन गेम्स में नीरू का स्वर्णिम निशाना, पदार्पण में ही रचा इतिहास

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज नीरू को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।श्री चौधरी ने कहा कि पहली बार एशियन गेम्स में भाग लेते हुए स्वर्ण पदक जीतकर नीरू ने भारतीय खेल जगत में गौरवपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। अपने सटीक निशाने, एकाग्रता और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे की शान बढ़ाई है।उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर पदार्पण करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल करना नीरू की कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उनकी यह उपलब्धि देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है।
वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नीरू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

जैवलिन थ्रो में भारत का दोहरा परचम, यश वीर सिंह ने जीता रजत तो रोहित यादव के नाम कांस्य

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष जैवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले यश वीर सिंह और कांस्य पदक जीतने वाले रोहित यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।श्री चौधरी ने कहा कि एक ही स्पर्धा में भारत के दो खिलाड़ियों का पदक जीतना पूरे देश के लिए गर्व और उल्लास का अवसर है। यश वीर सिंह और रोहित यादव ने अपने शानदार प्रदर्शन, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है।उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स की बढ़ती ताकत और हमारे युवाओं की प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। उनकी सफलता देश के उभरते खिलाड़ियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि समस्त भारतवासियों को दोनों खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने यश वीर सिंह और रोहित यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी देश के लिए नई उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

माटेगहन में आजीविका डबरी बनी समृद्धि की संवाहक

रायपुर। ग्रामीण विकास का असली उद्देश्य केवल भौतिक परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि उन्हें ग्रामीण परिवारों की स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बनाना है। सेवा संकल्प अभियान के तहत इस सोच को धरातल पर साकार किया है धमतरी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत चिखली के आश्रित गांव माटेगहन ने। यहाँ वीबीजीरामजी योजना के तहत निर्मित एक आजीविका डबरी ने किसान ईश्वर/नम्मु के जीवन में खुशहाली और आर्थिक मजबूती का नया अध्याय लिख दिया है। माटेगहन का यह अंचल मुख्य रूप से वर्षा-आधारित कृषि पर निर्भर रहा है, जहाँ समय पर सिंचाई का जल न मिलना किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए योजना के तहत 2,43,760 रुपये की स्वीकृति दी गई। पारदर्शी प्रक्रिया के साथ 2,10,073 रुपये की लागत में इस आजीविका डबरी का निर्माण पूर्ण कराया गया। आज यह डबरी महज जल संग्रहण का ढांचा नहीं, बल्कि परिवार के समग्र विकास का केंद्र बन चुकी है।डबरी के निर्माण से हितग्राही की लगभग एक एकड़ कृषि भूमि को सीधा लाभ मिला है। खेत के ठीक पास ही जल स्रोत उपलब्ध हो जाने से वर्षा पर निर्भरता समाप्त हुई है। किसान अब अपनी जरूरत के अनुसार समय पर फसलों की सिंचाई कर पा रहे हैं, जिससे भूमि की उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ खेती अधिक सुव्यवस्थित और लाभप्रद हो गई है।
संसाधनों के बहुआयामी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए हितग्राही ने डबरी में मछली बीज रोपण (मत्स्य पालन) की शुरुआत की है। सिंचाई के साथ-साथ मछली पालन जुड़ जाने से परिवार को नियमित कृषि उत्पादन के अलावा अतिरिक्त आय का एक नया और टिकाऊ जरिया मिल गया है। माटेगहन की यह पहल जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, कृषि सिंचाई और आजीविका संवर्धन का एक आदर्श संगम है।

खेत से टोक्यो तक महकी नगरी दुबराज

महिला शक्ति ने गढ़ी वैश्विक सफलता की नई इबारत

सेवा संकल्प अभियान के तहत गट्टासिल्ली एफपीओ ने जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक चावल को दिलाया अंतरराष्ट्रीय मंच

अमेजन, ओएनडीसी और ट्राइब्स इंडिया पर भी उपलब्ध

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

धमतरी जिले का सुदूर नगरी अंचल आज देश-दुनिया में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। कभी स्थानीय खेतों और रसोईयों तक सीमित रहने वाला सुगंधित चावल 'नगरी दुबराज' आज राज्य की सीमाओं को लांघकर देश के महानगरों और जापान के बाजारों तक अपनी खुशबू बिखेर रहा है। इस अद्भुत बदलाव के पीछे किसी बड़े कॉरपोरेट घराने का हाथ नहीं, बल्कि गांव की उन महिला किसानों की दृढ़ इच्छाशक्ति है, जिन्होंने गट्टासिल्ली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की कमान संभालकर कृषि और महिला उद्यमिता का नया मॉडल खड़ा किया है।

पारंपरिक विरासत को मिला जीआई टैग और संगठित बाजार

सेवा संकल्प अभियान% के अंतर्गत



नगरी दुबराज को केवल एक कृषि उपज के रूप में नहीं, बल्कि नगरी अंचल की पीढ़ियों पुरानी सांस्कृतिक और कृषि विरासत के रूप में देखा गया। इसकी विशिष्ट प्राकृतिक सुगंध और स्वाद को देखते हुए इसे जीआई टैग (प्राप्त हुआ। गट्टासिल्ली एफपीओ ने किसानों को संगठित कर पारंपरिक खेती को जैविक उत्पादन, मूल्य संवर्धन (, आकर्षक पैकेजिंग और ब्रांडिंग से जोड़कर एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में बाजार में उतारा।
बदलाव की कर्णधार बनीं महिला किसान इस पूरे अभियान की सबसे बड़ी ताकत महिला नेतृत्व है। नगरी अंचल की महिलाएं अब केवल खेतों में काम करने तक सीमित नहीं हैं; वे एफपीओ के प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, सामूहिक सौदेबाज़ी और डिजिटल मार्केटिंग का फैसला खुद ले रही हैं। इस सामूहिक मॉडल ने ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनमें उद्यमिता का नया आत्मविश्वास भरा है।

जापान तक पहुँची नगरी की सुगंध

गट्टासिल्ली एफपीओ की सफलता केवल स्थानीय मंडियों तक सीमित नहीं रही। गुणवत्ता मानक, जैविक पद्धति और वैज्ञानिक पैकेजिंग के बल पर नगरी दुबराज की खेप जापान भेजी गई है। इसके अलावा, भारत के विभिन्न राज्यों में भी इसकी भारी मांग है। इसने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और बाजार का साथ मिले,

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 की तैयारियों की समीक्षा

1 से 3 नवम्बर तक आयोजित होगा राज्योत्सव, तैयारियों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने तथा विभागीय प्रदर्शनी की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 22 अक्टूबर तक विभागवार तैयारियों एवं प्रदर्शनी की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने राज्योत्सव को केंद्रीय थीम आधारित स्वरूप में आयोजित करने पर जोर दिया। इसमें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मानव पूंजी विकास, विकसित भारत, अंजोर छत्तीसगढ़ जैसे विषयों के साथ भविष्य की दिशा और विकास पर फोकस रखने के निर्देश दिए।
राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 40 राज्य स्तरीय अलंकरण एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। संस्कृति विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। राज्य स्तरीय आयोजन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर (मेला ग्राउंड) नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम-तूता में प्रस्तावित है।

विभागों को दी गई प्रमुख जिम्मेदारियां

सीएसआईडीसी, एनआरडीए, लोक निर्माण विभाग को मेला स्थल का ले-आउट, स्टॉल आंबटन, विकास प्रदर्शनी की व्यवस्था, मुख्य मंच, डोम, पंडाल, बैठक एवं बैरिकेटिंग की जिम्मेदारी दी गई है। जनसंपर्क विभाग एवं चिप्स द्वारा प्रचार-प्रसार और हाईटेक मीडिया सेंटर की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम रायपुर एवं एनआरडीए नागरिक सुविधाओं, सिटी बस, पेयजल एवं स्वच्छता की व्यवस्था करेंगे। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग सुरक्षा, यातायात, पार्किंग एवं अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। स्वास्थ्य एवं ऊर्जा विभाग चिकित्सा, एंबुलेंस तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करेंगे।
बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चम्पावत, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव श्री बसवराजु एस., सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव श्री भूवनेश यादव, श्रम विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्री राजेश सिंह राणा, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री सारांश मित्तर, रायपुर जिले के कमिश्नर एवं कलेक्टर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा के संकल्प से संवरा लतेलू सोनवानी का जीवन

पीएम आवास योजना बनी खुशियों का जरिया



कबाड़ी का काम करने वाले परिवार को मिला अपना पक्का आशियाना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुलभ और पारदर्शी तरीके से शासकीय योजनाओं से जोड़कर सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित 'सेवा संकल्प' अभियान दुर्ग जिले में अत्यंत प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है। प्रशासनिक तत्परता और त्वरित सेवा वितरण व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड व जिला दुर्ग के ग्राम पंचायत परसाही निवासी श्री लतेलू सोनवानी के जीवन में शासन की योजना ने सम्मान और स्थायित्व की नई किरण जगाई है। हितग्राही श्री लतेलू सोनवानी, जो कबाड़ी का काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, हमेशा से एक सुरक्षित और पक्के मकान का सपना देखते थे। 'सेवा संकल्प' की मंशा के अनुरूप जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारे में जानकारी मिली, तो पंचायत एवं प्रशासनिक स्तर से त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका प्रकरण स्वीकृत किया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें 1.20 लाख रुपए की अनुदान राशि तथा 23,790 रुपए मनरेगा (अब व्हीबी- जीरामजी) मजदूरी राशि, कुल 1.43 लाख रुपए की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। योजना का लाभ मिलने के बाद उन्होंने एक सुंदर और मजबूत पक्का मकान निर्मित कराया है, जिसमें अब शौचालय, बिजली और नल से जल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। श्री लतेलू सोनवानी ने बताया कि पहले जहां कच्ची मिट्टी की दीवारें और टीन की छत वाला घर हुआ करता था, आज वहां पक्की ईंटों की मजबूत दीवारें और सुंदर फर्श वाला मकान तैयार है। अब न कीड़े-मकोड़ों का डर है और न ही बारिश में छत टपकने की चिंता। उन्होंने कहा, 'यह आवास मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मेरे नाती-पोते भी अब पक्के मकान में रहेंगे, यह सोचकर ही मुझे बहुत खुशी होती है।' अपने सपनों को पंख देने और त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए उन्होंने सरकार के इस सेवा भावना की भूरि-भूरि सराहना की और सहृदय आभार व्यक्त किया।



सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला में संकुल स्तरीय चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन

भटगांव। श्री प्रेम भुवन प्रताप सिँह शा.उ. मा. विद्यालय भटगांव सेजेस स्कूल मे 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा' थीम पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जहाँ प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा, विचारों तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। वहीं सेजेस स्कूल भटगांव मे विकासखंड बिलाईगढ़ में जोनल स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें भटगांव परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों से चयनित छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर भटगांव नगर पंचायत के एल्डरमैन तुलसी आदित्य, रामकृपाल पटेल, रविन्द्र बनाफर , सेजेस जनभागीदारी अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, उपाध्यक्ष रामदुलार साहू प्राचार्य प्रियतम भारद्वाज सहित संकुल के शिक्षकगण उपस्थित रहे।।
इस अवसर पर अतिथियो ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्र सेवा की भावना को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सेवा के संकल्प से रोशन हुई निषाद टंडन की राह, सौर ऊर्जा से घर में छाई खुशहाली



पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बनी बचत का जरिया, भिलाई के सेवानिवृत्त कर्मचारी को मिली 90 हजार रुपए की सब्सिडी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दुर्ग जिले में शासकीय योजनाओं व नागरिक सेवाओं को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ तरीके से पहुँचाने के लिए शासन की सेवा संकल्प पहल प्रभावी रूप से कार्यरत् है। प्रशासनिक तत्परता और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना इस अभियान का मूल उद्देश्य है। इस पहल के परिणामस्वरूप कैलाश नगर, भिलाई निवासी एनएमडीसी से सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री निषाद टंडन के जीवन में आर्थिक बचत, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की नई किरण आई है।

श्री निषाद टंडन ने बताया कि सेवा संकल्पित सरकार की मूल मंशा के अनुरूप जब उन्हें सौर ऊर्जा (सोलर पैनल) योजना के बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने अपने घर में 2 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम लगवाने का निश्चय किया। इसके उपरांत प्रशासनिक तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग और वेंडर के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की गई, जिससे पूरी प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हुई। सुगम व्यवस्था के तहत उन्हें 30 हजार रुपए राज्य सब्सिडी तथा 60 हजार रुपए केंद्र सरकार की सहायता (कुल 90 हजार रुपए) सीधे प्राप्त हुई।

सोलर पैनल स्थापित होने के बाद से उनका सोलर सिस्टम 3590 यूनिट बिजली का उत्पादन कर चुका है, जिसमें से सरप्लस बिजली विभाग को भी बेची गई है। अब उनका बिजली बिल न के बराबर आ रहा है, जिससे प्रतिमाह बड़ी आर्थिक बचत हो रही है। श्री निषाद टंडन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की ओर से मिली त्वरित सहायता ने उनके जीवन को बेहद आसान बना दिया है।

नवाचार से स्वावलंबन : परखंदा की महिलाओं ने खस की खुशबू से रची आर्थिक आजादी की नई इबारत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर। पारंपरिक कृषि के ढर्रे से बाहर निकलकर जब ग्रामीण महिलाएं नवाचार का रास्ता चुनती हैं, तो सफलता की एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो पूरे प्रदेश के लिए नजीर बन जाती है। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले अंतर्गत कुरुद विकासखंड की ग्राम पंचायत परखंदा में ऐसा ही एक प्रेरणादायक बदलाव देखने को मिल रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत यहां गठित 'धान के कटोरा उत्पादक समिति' स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने औषधीय एवं सुगंधित पौधे खस की खेती को अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अध्याय रच दिया है।

?धान की परंपरागत खेती तक सीमित रहने वाली इन महिलाओं ने जब ढाई एकड़ भूमि पर खस उगाने का निर्णय लिया, तो राह आसान नहीं थी। नई फसल होने के कारण तकनीक, प्रबंधन और देखभाल से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन समूह की महिलाओं ने सामूहिक श्रम, तकनीकी जानकारी और लगन के बल पर इन सभी मुश्किलों को पार कर लिया। उनकी यह मेहनत रंग लाई और पहली ही कटाई में समूह को 11.20 क्विंटल खस का बंपर उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में इस उपज को बेचकर महिलाओं ने 1.12 लाख रुपये की सीधी आय अर्जित की। यह आर्थिक सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण



महिलाओं में यह विश्वास जगाया है कि सही दिशा और सामूहिक प्रयास से खेती को एक लाभप्रद व्यवसाय बनाया जा सकता है। परखंदा की इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण है। योजना के अंतर्गत गांव में छह एकड़ क्षेत्र में मिश्रित वृक्षारोपण भी किया गया है, जिससे एक ओर जहां हरित आवरण बढ़कर जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर औषधीय फसलों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों के लिए नियमित आय के नए रास्ते खुल रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ आजीविका संवर्धन का यह अनोखा समन्वय आज अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी एक अनुकरणीय रूरल लाइवलीहुड मॉडल बनकर उभरा है। खस की पहली फसल से मिले उत्साहजनक परिणामों के बाद समूह ने अपनी आजीविका के दायरे को और अधिक विस्तार दिया है। वर्तमान में महिलाएं खस के साथ-साथ हल्दी की खेती भी कर रही हैं। इस प्रकार फसल विविधीकरण को अपनाने से किसी एक फसल पर उनकी निर्भरता समाप्त हुई है और पूरे वर्ष आय की निरंतरता बनी रहने की राह आसान हुई है। भविष्य में समूह अपने उत्पादों के मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण और संगठित विपणन के जरिए अपनी आय को और बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

?परखंदा की महिलाओं की यह उपलब्धि केवल 1.12 लाख रुपये की आय की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक-आर्थिक रूपांतरण का प्रतीक है जहां ग्रामीण महिलाएं सरकारी योजनाओं की मात्र लाभार्थी न रहकर आजीविका की मुख्य संचालक बन चुकी हैं। उनके इस सामूहिक प्रयास और नई सोच ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब ग्रामीण महिलाओं के संकल्प को अवसर से जोड़ा जाता है, तो खेत सिर्फ फसल ही नहीं उगाते, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया भविष्य भी लिखते हैं।